22 नवंबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

अभियोजन की मासिक समीक्षा बैठक, बक्सर में अक्टूबर माह में कुल 32 वादों में सुनाई गई सजा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

कैदियों की समय से पहले रिहाई सिर्फ सरकार तय करेगी : मद्रास हाईकोर्ट

एजेंसी। चेन्नई

मद्रास हाईकोर्ट ने कारावास की सजा काट रहे कैदियों की समयपूर्व रिहाई और अंतरिम जमानत को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि सजायाफ्ता कैदी की समयपूर्व रिहाई पर फैसला लेना सिर्फ सरकार का अधिकार है और इसे कोर्ट में अधिकार के रूप में नहीं मांगा जा सकता। अदालत ने कहा कि सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी कोर्ट की कस्टडी में नहीं रहता, इसलिए कोर्ट से जमानत या अंतरिम जमानत की मांग करना न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है। न्यायमूर्ति एन सतीश कुमार और न्यायमूर्ति एम ज्योति रामन की खंडपीठ ने यह टिप्पणी 19 नवंबर को जुबैथा बेगम और अन्य 12 याचिकाकताओं की याचिकाओं को खारिज करते हुए की। इन

याचिकाओं में कैदियों को अंतरिम जमानत देने की मांग की गई थी, जबकि उनकी समयपूर्व रिहाई की अर्जी अभी सरकार के पास लंबित थी। कोर्ट ने साफ कहा कि चूंकि सजा सुनाए जाने के बाद कैदी जेल विभाग की कस्टडी में होता है, इसलिए कोर्ट उसके लिए अंतरिम जमानत के आदेश जारी नहीं कर सकता। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि कैदियों की समयपूर्व रिहाई पर फैसला सरकार ही करेगी और इसे कोर्ट में अधिकार के रूप में नहीं मांगा जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी कोर्ट की कस्टडी में नहीं रहता, इसलिए हाईकोर्ट अंतरिम जमानत नहीं दे सकता।

याचिकाकर्ताओं की मांग पर सख्त टिप्पणी

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर सभी याचिकाएं इस आधार पर टिक नहीं सकतीं कि सरकार में लंबित प्रकरण के चलते कैदियों को अंतरिम राहत मिलनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि सरकार को कई कारकों को ध्यान में रखते हुए समयपूर्व रिहाई पर फैसला करना होता है। इसलिए इसे अधिकार मानकर कोर्ट में मांग करना गलत है। अदालत ने साफ किया कि अंतरिम जमानत, जब सजा पूरी सुनाई जा चुकी हो, कोर्ट द्वारा नहीं दी जा सकती।

जरूरतमंद मामलों में सरकार खुद फैसला करे: हाईकोर्ट

खंडपीठ ने यसु मामले का हवाला देते हुए कहा कि सस्पेंशन ऑफ सेंटेंस रूल्स के नियम 40 के तहत सरकार के पास यह विवेकाधिकार है कि वह किसी भी कैदी को अस्थायी रिहाई का लाभ दे सकती है। कोर्ट ने कहा कि सरकार को ऐसे मामलों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और जरूरतमंद कैदी को राहत देनी चाहिए, ताकि अनावश्यक रूप से अदालतों में अंतरिम जमानत की याचिकाएं दाखिल न हों।

दक्षिण अफ्रीका पहुंचे पीएम मोदी जी-20 लीडर्स समिट में लेंगे हिस्सा

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अफ्रीका में पहली बार आयोजित हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी जी20 शिखर सम्मेलन से इतर छठे आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि वह वसुधैव कुटुंबकम तथा ह्यएक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्यह्ल की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग रवाना होने से पूर्व पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मैं दक्षिण अफ्रीका के

जोहानिसबर्ग में आयोजित होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने जा रहा हूं। यह शिखर सम्मेलन विशेष महत्व रखता है क्योंकि इसका आयोजन अफ्रीका में हो रहा है। इसमें अनेक वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री के जोहानिसबर्ग में उपस्थित कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है। वहां वह छठे आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी शिखर सम्मेलन के तीनों सत्रों को संबोधित करेंगे। यह जी20 समूह का लगातार चौथा शिखर सम्मेलन होगा, जो ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका से पहले जी20 की अध्यक्षताएं क्रमशः ब्राजील (2024), भारत (2023) और इंडोनेशिया (2022) द्वारा की गई थीं। जी20 देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ शामिल हैं।

नीतीश ने पहली बार छोड़ा गृह विभाग, अन्य विभागों का हुआ बंटवारा

सम्राट चौधरी बिहार के बने नये गृह मंत्री

एजेंसी। पटना

बिहार में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो गया है। अभी तक गृह मंत्रालय का जिम्मा संभाल रहे सीएम नीतीश कुमार ने गृह विभाग अब बीजेपी के हवाले कर दिया। इस बार डिप्टी सीएम सम्राट चैधरी को गृह विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन और आवंटन से बचे विभाग अपने पास रखे हैं। बता दें कि, बिहार विधानसभा चुनाव में 89 सीटें लाकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भारतीय जनता पार्टी की इच्छा लंबे समय से गृह विभाग रखने की थी। कुल 27 मंत्रियों को उनके कार्यक्षेत्र सौंपे गए हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण चेहरे और अनुभवी नेताओं को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। शपथ ग्रहण के बाद आज यानी 21 नवंबर को मंत्रीमंडल के बंटवारे की खबर सामने आई है. इसमे गृह विभाग उपमुख्यमंत्री सम्राट चैधरी और स्वास्थ मंगल पांडे को दिया गया है।बिहार में नई सरकार के गठन के बाद मंत्रिपरिषद में विभागों के बंटवारे की लिस्ट जारी हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के हिस्से कई महत्वपूर्ण मंत्रालय आए हैं। जिसमें गृह, स्वास्थ्य, पथ निर्माण से लेकर पर्यावरण और नगर विकास जैसे विभाग शामिल हैं। वहीं सहयोगी दलों को भी उनके अनुपात के अनुसार विभाग दिए गए हैं।

सम्राट चौधरी बनें गृह मंत्री

शपथ लेने वाले मंत्रियों में बीजेपी से सम्राट चौधरी को गृह विभाग दिया गया है. यह पोर्टफोलियो लंबे समय से मुख्यमंत्री के पास रहता था, इसलिए इसे बीजेपी के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। विजय कुमार सिन्हा को भूमि एवं राजस्व विभाग तथा खान एवं भू-तत्व विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंगल पांडेय के पास पहले की तरह स्वास्थ्य विभाग ही रखा गया है, साथ ही उन्हें विधि विभाग भी दिया गया है। दिलीप जयसवाल को उद्योग विभाग, जबकि नितिन नवीन को पथ निर्माण विभाग एवं नगर विकास एवं आवास विभाग मिला है। कृषि विभाग की जिम्मेदारी रामकृपाल यादव को दी गई है। संजय टाईगर को श्रम संसाधन विभाग तथा अरुणा शंकर प्रसाद को पर्यटन के साथ कला, संस्कृति एवं युवा विभाग सौंपा गया है।

श्रेयशी सिंह बनी खेल विभाग की मंत्री

सुरेन्द्र मेहता को पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, नारायण प्रसाद को आपदा प्रबंधन, और रमा निपाल को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग मिला है। लखेन्द्र पासवान को अनुसूचित जातिध्जनजाति कल्याण विभाग, जबकि श्रेयसी सिंह को सूचना प्रौद्योगिकी और खेल विभाग की जिम्मेदारी मिली है। प्रमोद चंदवंशी को सहकारिता विभाग तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग दिया गया है। गन्ना उद्योग विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियांत्रण विभाग सौंपा गया है। जेडीयू को लघु जल संसाधन विभाग दिया गया है। रालोसपा को पंचायत राज विभाग मिला है। इस बंटवारे से साफ है कि बीजेपी को गठबंधन में मजबूत हिस्सेदारी दी गई है और अहम मंत्रालय उसी के पास हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभागों के वितरण में संतुलन बनाने की कोशिश की है ताकि सभी दलों की भूमिका सुनिश्चित हो सके।

दुबई में तेजस लड़ाकू विमान अचानक नीचे की ओर गोता लगाते हुआ क्रैश

एजेंसी। नई दिल्ली/दुबई

इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) का फाइटरजेट तेजस शुक्रवार को दुबई एयरशो में हवाई प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। इंडियन एयरफोर्स ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक ह्यकोर्ट ऑफ इन्क्वायरीह्ल का गठन किया जा रहा है। विभिन्न टीवी चैनलों पर दिखाए गए दुर्घटना के दृश्यों में विमान को ऊंचाई से गिरते और फिर आग के गोले में बदलते देखा जा सकता है। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर में एयरशो में हवाई प्रदर्शन के दौरान उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आईएएफ ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, आईएएफ को इस हादसे में हुए जानमाल के नुकसान पर बहुत दुख है और वह दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया जा रहा है। बहरहाल, हादसे के तुरंत बाद मौके से उठते काले धुएंने दर्शकों को दहला दिया। ल्अछ द्वारा निर्मित यह लड़ाकू विमान स्थानीय समय के अनुसार करीब 2:10 बजे हवाई करतब दिखाते हुए क्रैश हो गया। कई वीडियो सामने आए हैं जिसमें विमान तेजी से नीचे गिरा और दूर जा टकराया।

हार के बाद इंडिया के सहयोगी दल बाहर निकलने के लिए बेकरार

एजेंसी। पटना

बिहार में करारी हार के बाद, इंडिया गठबंधन अपने अब तक के सबसे गंभीर आंतरिक टूटन से जूझ रहा है, जहां कई क्षेत्रीय सहयोगी खुले तौर पर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की रणनीति, नेतृत्व और विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। असंतोष की छिटपुट चर्चा अब जोर पकड़ने लगी है। अब तीखी आलोचना, सार्वजनिक फटकार और कई दलों के भीतर गठबंधन के साथ संबंधों को फिर से संतुलित करने या यहां तक कि तोड़ने के बारे में सक्रिय चचाओं में बदल गया है। पहली बड़ी दरार मतदान से पहले ही उभर आई, जब झारखंड मुक्ति मोर्चा बिहार में गठबंधन की सीट-बंटवारे की रूपरेखा से बाहर हो गया। पार्टी ने वरिष्ठ सहयोगियों पर बातचीत में उन्हें दरकिनार करने और पिछली बातचीत में किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया। झामुमो नेताओं का कहना है कि बिहार की घटना एक बड़ी समस्या को दर्शाती है कि क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ समान हितधारक के बजाय कनिष्ठ सहयोगी जैसा व्यवहार किया जा रहा है। पार्टी अब पड़ोसी राज्य झारखंड सहित आगे चलकर संयुक्त मंचों में अपनी भागीदारी का पुनर्मूल्यांकन कर रही है।

एक से दूसरी पीढ़ी तक आने वाले कौशल का सबसे बढ़िया उदाहरण

राष्ट्रपति मुर्मू ने किया भारतीय कला महोत्सव का उद्घाटन

एजेंसी। हैदराबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को हैदराबाद में भारतीय कला महोत्सव के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने भरोसा जताया कि इस कार्यक्रम से पश्चिमी भारत की सांस्कृतिक विरासत की समझ को बढ़ावा देगा। राष्ट्रपति निलयम में हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कि भारतीय कला महोत्सव के पहले संस्करण में बीते साल प्रतिभागियों को उत्तर भारत के राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को जानने का मौका मिला था।

उन्होंने कहा कि जो इस नौ दिनों के कार्यक्रम में शामिल होंगे, वे सभी हस्तकला, संगीत, नृत्य, साहित्य के साथ गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली के भोजन से रूबरू होंगे। हस्तशिल्प कलाकारों से बातचीत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उनके उत्पाद एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक आने वाले कौशल का सबसे बढ़िया उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है, जब लोग यहां आएंगे और अलग-अलग राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखेंगे तो उन्हें अनुभव होगा कि भारत की कला और परंपरा कितने महान हैं। उन्होंने कहा कि देशवासी, खासकर युवा अपनी सभ्यता और परंपराओं को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इसके लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के साथ शिमला, हैदराबाद और देहरादून के राष्ट्रपति निवास लोगों के लिए खुले हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इन जगहों पर जाएं और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इतिहास से परिचित हों। उन्होंने कहा, ष्मैं राष्ट्रपति भवन को जनता का भवन मानती हूं। यह राष्ट्र का भवन है।

हीरो मरीज, फोकस सिस्टम पर डुमरांव एसडीएम ने अस्पताल में सेवा-व्यवस्था को परखा

- मरीजों की सुविधा, समयपालन और पारदर्शिता पर प्रशासन की कड़ी नजर, कई बिंदुओं पर सुधार के दिए निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में शुक्रवार को मरीजों की सुविधाओं और अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली को केंद्र में रखते हुए एसडीएम राकेश कुमार ने औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जहां अस्पताल स्टाफ की उपस्थिति और सेवा भावना का मूल्यांकन था, वहीं मरीजों को मिलने वाली वास्तविक सुविधाओं का भी प्रशासनिक आकलन साबित हुआ। इस दौरान एसडीएम ने साफ किया कि सरकारी अस्पतालों में समयपालन और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता को सर्वोपरि रखना होगा। निरीक्षण की शुरूआत रजिस्ट्रेशन काउंटर से हुई, जहां एसडीएम ने प्रक्रिया की गति, टोकन व्यवस्था और मरीजों के साथ व्यवहार की बारीकी से जांच की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वृद्ध मरीजों और गर्भवती महिलाओं को किसी भी सूरत में परेशानी नहीं होनी चाहिए। भीड़ बढ़ने पर काउंटर कर्मियों को शांतिपूर्वक और व्यवस्थित ढंग से काम करने का निर्देश दिया गया। एसडीएम ने कर्मचारियों को साफ कहा कि मरीजों के प्रति व्यवहार अस्पताल की छवि तय करता है।

ओपीडी, इमरजेंसी और दवा वितरण की कार्यप्रणाली की जांच

एसडीएम राकेश कुमार ने ओपीडी, इमरजेंसी कक्ष, दवा वितरण केंद्र व प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए स्टाफ की उपस्थिति और मरीजों को दी जा रही सेवाओं की वास्तविक स्थिति को देखा। निरीक्षण में अस्पताल की प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. श्रुति प्रकाश, डॉ. लोकेश कुमार, डॉ. सुमित सौरव और डॉ. जुनैद अख्तर समेत सभी चिकित्सक अपने-अपने कक्ष में मौजूद पाए गए, जिसे एसडीएम ने सराहनीय बताया। दवा वितरण केंद्र पर एसडीएम ने स्टॉक रजिस्टर की जांच की और जोर देकर कहा कि किसी भी जरूरी दवा की कमी मरीजों के इलाज में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने फार्मेसी प्रभारी को निर्देश दिया कि दवाओं की आपूर्ति और स्टॉक अपडेट समय पर सुनिश्चित हो, ताकि अचानक कमी की स्थिति न आए।

जमीन विवाद में डुमरांव के पूर्व वार्ड पार्षद गिरफ्तार, जेल

- वार्ड 20 स्थित रहमत नगर मोहल्ले में पिछले अप्रैल में जेसीबी से निमार्णाधीन मकान तोड़ने का है आरोप, कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

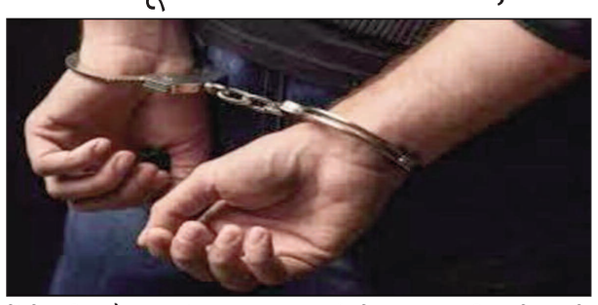

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पूर्व वार्ड वार्षद नसीम उर्फ गोरख को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनपर इसी वर्ष अप्रैल महीने में वार्ड 20 निवासी फातमा खातून ने अपने निमार्णाधीन मकान को जेसीबी से तोड़ने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में पूर्व वार्ड पार्षद पर लगे आरोपो की पुष्टि हो गई तथा न्यायालय द्वारा वारंट जारी करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पूर्व वार्ड पार्षद पर जमीन विवाद का मामला दर्ज था। जिसमें न्यायालय द्वारा कुर्की वारंट निर्गत किया गया था, जिसके आलोक में उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बता दें कि नसीम उर्फ गोरख नगर परिषद के पुराने परिसीमन के वार्ड पांच के पार्षद रहे थे। अप्रैल महीने में अंसारी कॉलोनी में ही फातमा खातून के निमार्णाधीन मकान को गोरख तथा उसके सहयोगियों ने जेसीबी से तुड़वा दिया था। इस मामले में पीड़िता ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

अभियोजन की मासिक समीक्षा बैठक, बक्सर में अक्टूबर माह में कुल 32 वादों में सुनाई गई सजा

- डीएम ने दिया तेज निष्पादन का निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में अभियोजन की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्वरित विचारण एवं सामान्य वादों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अभियोजन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि गंभीर व जघन्य मामलों में अधिक से अधिक दोषसिद्धि सुनिश्चित करें, ताकि अपराधियों में कानून का भय उत्पन्न हो और समाज में शांति-व्यवस्था की मजबूत स्थिति कायम रह सके।

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में त्वरित विचारण के तहत कुल 12 वादों में सजा सुनाई गई है। इनमें जघन्य अपराध के छह वाद, पॉक्सो अधिनियम के चार वाद, शस्त्र अधिनियम के एक वाद तथा एनडीपीएस अधिनियम के एक वाद शामिल हैं। वहीं सामान्य वादों में इसी अवधि के दौरान जघन्य अपराध के पांच और शस्त्र अधिनियम के 15 वादों में अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया। इस प्रकार माह में कुल 32 वादों में सजा सुनाए जाने की जानकारी बैठक में साझा की गई।

बैठक के दौरान विशेष लोक अभियोजक (उत्पाद) अवधेश राय ने बताया कि जिले के चर्चित मुरार थाना कांड संख्या 10/2022 की सुनवाई पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि त्वरित विचारण के अंतर्गत सात ऐसे वाद हैं, जिनमें सजा सुनाए जाने के समय अभियुक्त फरार हो गए। न्यायालय ने इन सभी मामलों में एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद संबंधित वादों में सजा सुनाई जाएगी।

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने बैठक में उपस्थित लोक अभियोजक, अपर लोक अभियोजक एवं अभियोजन पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वादों के त्वरित निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभियोजन से जुड़े सभी अधिकारी प्रत्येक माह अधिक संख्या में वादों का निष्पादन कर दोषी व्यक्तियों को कठोरतम सजा दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इससे अपराधियों में भय पैदा होगा तथा आम जनता सुरक्षित व शांतिपूर्ण माहौल में जीवन व्यतीत कर सकेगी। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन अभियोजन टीम को हर स्तर पर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिया कि अनुसंधानकताओं, चिकित्सकों, पुलिस पदाधिकारियों सहित सभी गवाहों की उपस्थिति अदालत में हर हाल में सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी वाद की सुनवाई में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने कहा कि त्वरित विचारण की प्रक्रिया तभी प्रभावी होगी जब गवाही समय पर और साक्ष्य सुदृढ़ तरीके से अदालत में प्रस्तुत किए जाएं।

बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि लोक अभियोजक एवं अभियोजन पदाधिकारी प्रत्येक माह अपने स्तर से सभी अपर लोक अभियोजक व सहायक अभियोजन पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक कर लंबित वादों के निष्पादन में गति लाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि वादों के शीघ्र निपटारे से जिला स्तर पर कानून-व्यवस्था की स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

बैठक में अपर समाहर्ता बक्सर, प्रभारी पदाधिकारी जिला विधि शाखा, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), जिला अभियोजन पदाधिकारी, अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी, पुलिस अभियोजन शाखा के प्रभारी, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि, लोक अभियोजक, सरकारी अधिवक्ता एवं सभी अपर लोक अभियोजक उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने त्वरित व निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय सहयोग देने का आश्वासन दिया।

आर्यन बाबू स्टार्ज ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स से सम्मानित, क्षेत्र में खुशी की लहर

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के दसियांव गांव के निवासी, प्रसिद्ध गायक एवं फिल्म अभिनेता आर्यन बाबू को गुरुवार को पटना में आयोजित एक भव्य समारोह में स्टार्ज ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के मिलते ही उनके गांव और पूरे क्षेत्र में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों और प्रशंसकों ने इसे स्थानीय प्रतिभा के लिए गर्व का क्षण बताया। पटना के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन अभिनेता नील नितिन मुकेश और प्रसिद्ध शिक्षक खान सर ने किया। इसके बाद मंच पर आर्यन बाबू सहित कई प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों को यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान ईस्ट इंडिया चौप्टर मैगजीन 2025 के तीसरे संस्करण का भी विमोचन किया गया, जिसके संपादक अमृता राय वर्मा और श्रीधर वर्मा हैं।स्टार्ज ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स पूर्वी भारत की उभरती प्रतिभाओं, प्रेरणादायक व्यक्तित्वों और समाज में योगदान देने वाले लोगों को पहचान देने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभर रहा है। इस अवसर पर आरजे अंजलि, आरजे शशि, आर्यन बाबू, सैयद साहेब अली, जेपी यादव, संजय भूषण पटियाला, अंशुमन सिन्हा, शारदा सिन्हा समेत कई प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया।सम्मान प्राप्त करते हुए भोजपुरी गायक एवं कलाकार आर्यन बाबू ने कहा कि यह आयोजन पटना और बिहार दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह मंच स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देता है। हमें गर्व है कि हम इसका हिस्सा बन सके। यह सम्मान मेरे लिए प्रेरणा है कि मैं अपने कला को और बेहतर दिशा में ले जा सकूं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अतिथियों, कलाकारों और प्रशंसकों ने भाग लिया। आर्यन बाबू के सम्मानित होने की खबर फैलते ही उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया पर भी उन्हें बधाइयों से नवाजा।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

सरकार के प्रतिबंध के बाद भी सिद्धिपुर बधार में जलाए गए धान के डंठल

केटी न्यूज/केसठ

सरकार द्वारा पराली जलाने पर लगाए गए स्पष्ट प्रतिबंध और कृषि विभाग के लगातार जागरूकता अभियानों के बावजूद सिद्धिपुर गांव के बधार में किसानों द्वारा धान के डंठल में आग लगाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने बताया कि धान कटाई के बाद कुछ किसानों ने पराली नष्ट करने के लिए उसमें आग लगा दी, जिससे पूरे इलाके में धुआं फैल गया। पराली जलाने पर सरकार पहले ही सख्त निर्देश जारी कर चुकी है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को कई बार समझाया गया है कि पराली जलाना मिट्टी की उर्वरता को नुकसान पहुंचाता है और पर्यावरण प्रदूषण का बड़ा कारण बनता है। इसके बावजूद किसानों द्वारा प्रतिबंध की अनदेखी करना विभाग की योजनाओं और प्रयासों को चुनौती देता है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पराली प्रबंधन के लिए सरकार कई वैकल्पिक उपाय उपलब्ध कराती है, जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, मल्चर जैसी मशीनों का उपयोग। इसके अलावा कम्पोस्ट बनाने और पशु चारे के रूप में पराली के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि पराली जलाना पूरी तरह दंडनीय अपराध है और ऐसे मामलों में जुमार्ने का भी प्रावधान है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे पराली जलाने की पुरानी पद्धति छोड़कर आधुनिक और पर्यावरण हितैषी तकनीकों को अपनाएं, ताकि मिट्टी की उर्वरता, हवा की गुणवत्ता और जनस्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

सुरभि गौशाला में स्वामी राजेंद्र दास का आगमन, गौ सेवा पर दिया संदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर स्थित सुरभि गौशाला में शुक्रवार को स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज के आगमन पर भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्वामी जी के पहुंचते ही समारोह स्थल पर आध्यात्मिक माहौल बन गया। उनके स्वागत में पश्चिम बंगाल कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संतोष पाठक एवं बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय कुमार तिवारी उर्फ. मुन्ना तिवारी, बक्सर राजपुर के पूर्व विधायक विश्वनाथ राम सहित बड़ी संख्या में लोगों ने अंग-वस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मान प्रकट किया।

स्वागत उपरांत स्वामी जी ने गौशाला में मौजूद गौ माताओं को अपने हाथों से गुड़, रोटी, केला व फल खिलाया। इस दौरान उन्होंने गौ सेवा के महत्व पर बोलते हुए कहा कि गौ माता सनातन संस्कृति की आधारशिला हैं और उनकी रक्षा ही सच्ची धर्म रक्षा है। उन्होंने कहा कि जिस परिवार और समाज में गौ माता का सम्मान होता है, वहां सुख, शांति और समृद्धि स्वतः आती है। स्वामी जी ने लोगों से गौ संरक्षण के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

भजन-कीर्तन के दौरान स्वामी जी द्वारा उच्चारित पंक्तियों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। उन्होंने कहा कि गौ सेवा सबसे महान पुनीत कार्य है, और धर्म रक्षा ही राष्ट्र रक्षा है। उनके उद्बोधन ने उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने सभी अतिथियों का अंग-वस्त्र और प्रसाद देकर अभिनंदन किया। संबोधन में पूर्व विधायक संजय कुमार तिवारी ने कहा कि वे बक्सर की संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। शिवांग विजय सिंह, भोला ओझा, विभोर द्विवेदी, कामेश्वर पांडे, राहुल चौबे सहित सैकड़ों लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन गौ माता के चरणों में वंदन और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डुमरांव के पूर्व विधायक ने मांगी ईवीएम-वीवीपैट से जुड़ी अहम जानकारियां

- छह बिंदुओं वाले आवेदन से प्रशासन की जिम्मेदारी बढ़ी, विपक्ष ने कहा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर जनता का भरोसा बनाए रखना

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में चुनावी पारदर्शिता को लेकर शुक्रवार को एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जब कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माले) लिबरेशन के महागठबंधन समर्थित प्रत्याशी तथा डुमरांव के पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी को विस्तृत आवेदन सौंपा। दोपहर एक बजे दिए गए इस आवेदन में उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए छह महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की। चुनाव नतीजों के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उठ रहे सवालों और तकनीकी पारदर्शिता की मांग के बीच पूर्व विधायक का यह कदम प्रशासनिक सतर्कता को एक नया आयाम देता है। उनका कहना है कि निर्वाचन नियमावली 1961, ईसीआई की रिटर्निंग ऑफिसर्स पुस्तिका (2022), वेबकास्टिंग, सीसीटीवी दिशा-निर्देश और नियम 93, 94 एवं 95 के तहत हर प्रत्याशी को कुछ संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, जिनका पालन चुनावी शुचिता के लिए अनिवार्य है। सबसे पहले उन्होंने 6 नवंबर 2025 को हुए मतदान के दौरान सभी मतदान केंद्रों की सीसीटीवी और वेबकास्टिंग फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की है। उनके अनुसार आयोग के निदेशों के मुताबिक यह फुटेज चुनावी गतिविधियों की विश्वसनीयता का मूल दस्तावेज होता है, जिसे सार्वजनिक और जांच-योग्य रखना आवश्यक है।

दूसरे बिंदु में पूर्व विधायक ने बूथ-वार उपस्थिति रिपोर्ट, कुल मतदान प्रतिशत और प्रपत्र 17 ए (मतदाताओं की पंजी) तथा प्रपत्र 17 सी (मतों का अभिलेख/खाता) की सत्यापित प्रतियां मांगकर मतदान की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। तीसरा बिंदु विभिन्न निर्वाचन अभिलेखों की सुरक्षा से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीसीटीवी रिकॉर्ड, वेबकास्टिंग डेटा, ईवीएम, वीवीपैट मूवमेंट रजिस्टर, मॉक पोल प्रमाणपत्र और प्रेजाइडिंग ऑफिसरों की डायरियों को नियम 94 व 95 के तहत संरक्षित रखना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है, ताकि भविष्य में किसी भी न्यायिक प्रक्रिया या स्क्रूटनी की आवश्यकता पड़ने पर ये दस्तावेज उपलब्ध रह सकें। चौथी मांग वीवीपैट पर्चियों से संबंधित है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के 5 प्रतिशत वीवीपैट स्लिप्स की पुनर्गणना कराने की आवश्यकता बताई है, ताकि ईवीएम और वीवीपैट के बीच तालमेल की पुष्टि हो सके और मतदाताओं का भरोसा मजबूत बना रहे। पांचवें बिंदु में उन्होंने ईवीएम-वीवीपैट की बैटरी की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट देने का आग्रह किया है। मतदान पूर्व, मतदान के दौरान और मतदान के बाद बैटरी प्रतिशत का रिकॉर्ड उपलब्ध कराया जाए, ताकि तकनीकी गड़बड़ी की किसी भी आशंका को खत्म किया जा सके। अंत में, उन्होंने नियम 93 के अनुरूप उपलब्ध सभी निर्वाचन अभिलेखों के निरीक्षण तथा प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराने की अनुमति मांगी है। पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने कहा कि चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता भारतीय लोकतंत्र की नींव है। जनता तभी भरोसा करती है जब प्रशासन सभी प्रक्रियाओं को खुला और जवाबदेह रखे। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी इस विस्तृत और संवेदनशील आवेदन पर कितनी शीघ्र कार्रवाई करते हैं, क्योंकि यह मसला न सिर्फ एक प्रत्याशी का, बल्कि पूरे निर्वाचन तंत्र की पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है।

पिड़िया पर गंगा स्नान करने गई किशोरी डूबी, एसडीआरएफ कर रही है तलाश

- स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल, नैनीजोर के समीप बिहार घाट की है घटना, दोस्तों के साथ पीड़िया पर गंगा स्नान करने ब्रह्मपुर से आई थी किशोरी

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड दो निवासी एक किशोरी नैनीजोर के बिहार घाट के समीप गंगा में डूब गई है। घटना शुक्रवार सुबह की है। वहीं, स्थानीय गोताखोरों के बाद दोपहर से ही एसडीआरएफ की टीम उसकी तलाश कर रही है, लेकिन देर शाम तक इसमें सफलता नहीं मिल पाई थी। इधर गंगा में किशोरी के लापता होने के बाद से स्वजनों की मुश्किलें बढ़ गई। बिहार घाट पर पहुंचे स्वजनों को रो-रोकर बुरा हाल हो गया था।

जानकारी के अनुसार ब्रह्मपुर नगर पंचायत के वार्ड दो निवासी हरेराम महतो की 15 वर्षीय पुत्री नंदिनी कुमारी शुक्रवार को पीड़िया त्योहार पर अपने आधा दर्जन दोस्तों के साथ पीड़िया छुड़ाने बिहार घाट गई थी। इस दौरान सभी दोस्त एक साथ गंगा स्नान के लिए उतरे, लेकिन थोड़ी देर बाद ही नंदिनी डूबने लगी तथा दोस्तो के देखते ही देखते गहरे पानी में समा गई।

इसके बाद साथ नहा रही लड़किया बाहर निकल शोर मचाने लगी। जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना नैनीजोर पुलिस व ब्रह्मपुर सीओ को दी।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, सीओ खुशबू खातून सदल-बल मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता किशोरी की तलाश शुरू करवा दिए।

सुबह के नौ बजे तक जब किशोरी का कुछ पता नहीं चला तो सीओ व थानाध्यक्ष ने एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ टीम दोपहर से ही गंगा में लापता किशोरी की तलाश कर रही थी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कुछ पता नहीं चल सका था।

इधर घटना की सूचना मिलते ही स्वजन तथा ब्रह्मपुर के सैकड़ो ग्रामीण गंगा घाट पर पहुंच गए। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था।

बताया जाता है कि किशोरी के पिता परदेश में नौकरी करते है। बेटी के गंगा में लापता होने की सूचना मिलते ही वे गांव के लिए चल दिए है। ग्रामीणों ने बताया कि नंदिनी तीन बहनों में दूसरे नंबर पर थी तथा काफी मेधावी थी।

नैनीजोर थानाध्यक्ष ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि लापता किशोरी की तलाश करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शनिवार को भी तलाश अभियान जारी रहेगा।

एक नजर

बिजली चोरी पर प्रशासन की कड़ी नजर, चौसा में आरा मशीन सील, छह लोगों पर भारी जुर्माना

चौसा। जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने और चोरी पर अंकुश लगाने के लिए बिजली विभाग ने अब सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। इसी कड़ी में चौसा प्रखंड के महदह इलाके में शुक्रवार को एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें टीम ने अवैध कनेक्शन और बाईपास मीटर के जरिये बिजली उपयोग करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान कार्रवाई का सबसे बड़ा मामला महदह निवासी हनुमान केशरी का सामने आया, जो बिना वैध कनेक्शन के बिजली चोरी कर आरा मशीन चला रहे थे। सहायक विद्युत अभियंता रविराज की टीम ने मौके पर तकनीकी परीक्षण के बाद चोरी की पुष्टि की और मशीन को बंद कराते हुए उनके खिलाफ 1,29,494 रुपये का जुमार्ना निर्धारित किया। मामले में मुफस्सिल थाने में प्राथमिकी भी दर्ज करा दी गई है। टीम की कार्रवाई यहीं नहीं रुकी। जांच के दौरान पांच और उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते पकड़ा गया। घरेलू उपयोग के लिए बाईपास मीटर से बिजली ले रहे इन उपभोक्ताओं पर भी विभाग ने भारी जुमार्ना संचचमक किया है। इनमें लालू चौहान पर 19,491 रुपये, जिरालाल पासवान पर 20,189 रुपये, धनजी पाठक पर 7,299 रुपये, गोपाल साह पर 2,251 रुपये और पुष्पा देवी (पति लालबाबू गुप्ता) पर 28,890 रुपये का दंड लगाया गया है। सभी मामलों में संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। अधिकारियों ने साफ कहा है कि बिजली चोरी न केवल कानूनन अपराध है बल्कि इससे पूरे क्षेत्र की आपूर्ति बाधित होती है और विभाग को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे भी अभियान लगातार चलाया जाएगा, और किसी भी उपभोक्ता को अवैध कनेक्शन का इस्तेमाल करते पाए जाने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई निश्चित है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें, जिससे क्षेत्र में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

ऋण वसूली में तेजी लाने हेतु 24 से 29 नवम्बर तक कैंप

बक्सर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय बक्सर में मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एनएमडीएफसी टर्म लोन योजना तथा मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना के लंबित बकायों की वसूली के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह वसूली कैंप 24 नवम्बर से 29 नवम्बर 2025 तक लगातार चलेगा। इस अवधि में लाभुकों को कार्यालय पहुंचकर अपने बकाये का समंजन कराने और लंबित किस्तें जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी विवेक कुमार केशरी ने बताया कि योजनाओं से लाभान्वित कई ऐसे ऋणधारक हैं, जिनकी किस्त जमा करने की तिथि बीत चुकी है और निर्धारित समय पर भुगतान नहीं किया गया है। विभाग द्वारा सभी बकायेदारों को नोटिस जारी कर स्पष्ट सूचना दी गई है कि निर्धारित अवधि में कैंप में पहुंचकर बकाया राशि अवश्य जमा करें। उन्होंने कहा कि लाभुकों को समय दिया जा रहा है ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त दबाव के अपने ऋण का भुगतान कर सकें तथा आगे की वित्तीय योजनाओं का लाभ उठाने में बाधित न हों। पदाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित अवधि में ऋण राशि जमा न करने पर बकाया पर अतिरिक्त ब्याज और दण्डात्मक शुल्क लगाया जाएगा। इतना ही नहीं, लगातार भुगतान से बचने या कैंप में अनुपस्थित रहने की स्थिति में संबंधित बकायेदार के विरुद्ध दीवानी एवं फौजदारी मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कैंप से अनुपस्थिति के किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण को अस्वीकार्य माना जाएगा और ऐसी स्थिति में तुरंत कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि विभाग की ओर से यह अभियान ऋण वसूली में तेजी लाने और लाभुकों को सुविधाजनक वातावरण में भुगतान का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। कई ऋणधारक समय पर किस्त नहीं जमा करने के कारण अनावश्यक ब्याज और दण्ड के बोझ तले दब जाते हैं। ऐसे में निर्धारित अवधि में कैंप में पहुँचकर भुगतान करने से वे अतिरिक्त भार से बच सकते हैं।

तय मजदूरी से कम भुगतान, मानदेय में घोटाले का आरोप, कई महीनों से रुका मानदेय, दूसरी बार हड़ताल से शहर कूड़े में डूबा, परिषद से जवाबदेही की मांग तेज

बक्सर नगर परिषद के खिलाफ सफाईकर्मियों का बगावत, शहर की सफाई व्यवस्था ठप

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर नगर परिषद इन दिनों गंभीर आरोपों और गहरी नाराजगी के केंद्र में है। शुक्रवार की सुबह नगर परिषद के सफाईकर्मियों ने अचानक कामकाज बंद कर दिया, जिसके बाद शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई। बीते एक महीने के भीतर यह दूसरी बार है जब सफाईकर्मी सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। मजदूरी भुगतान में अनियमितता, तय दर से कम मानदेय और अधिकारियों की कथित लापरवाही ने कर्मियों का आक्रोश इतना बढ़ा दिया कि वे परिषद कार्यालय के सामने ही सफाई वाहनों को खड़ा कर धरना पर बैठ गए।

सैकड़ों की संख्या में मौजूद कर्मियों ने ह्लमजदूर एकता जिंदाबादह्व और ह्लनगर परिषद मुदार्बादह्व जैसे नारे लगाकर साफ कर दिया कि इस बार वे आधे-अधूरे आश्वासन पर पीछे हटने वाले नहीं हैं। हड़ताल का असर इतना व्यापक रहा कि शहर के प्रमुख वार्डों में सुबह से ही कूड़े के ढेर दिखने लगे, दुर्गंध से लोगों का जीना मुश्किल हो गया और गलीद्दमोहल्लों में स्वास्थ्य संकट की स्थिति बनने लगी।

सफाईकर्मियों का कहना है कि दीपावली के ठीक पहले की गई पिछली हड़ताल के दौरान 14 नवंबर तक सभी मांगों को पूरा करने का लिखित आश्वासन दिया गया था, लेकिन तय तिथि बीतने के बावजूद भुगतान व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ। कई मजदूरों को जहां पिछले एक महीने का मानदेय नहीं मिला है, वहीं कुछ कर्मचारी चार-चार महीने से वेतन का इंतजार कर रहे हैं। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि 25 दिन काम करने पर भी पांच दिन की हाजिरी काट दी जाती है, जिससे उन्हें महीने में सिर्फ 20 दिन का ही भुगतान मिलता है।

सबसे गंभीर आरोप मजदूरी दर में भारी गड़बड़ी को लेकर लगाए गए। कर्मियों ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित दर के अनुसार नए मजदूरों को प्रतिदिन 385 रुपये और पुराने को 495 रुपये मिलना चाहिए। लेकिन नगर परिषद नए कर्मियों को सिर्फ 303 रुपये और पुराने कर्मियों को 404 रुपये दे रही है। इतना ही नहीं, हाल ही में सरकार ने मजदूरी दर बढ़ाकर क्रमशः 504 और 611 रुपये कर दी है, फिर भी भुगतान पुराने और घटे हुए दर पर ही किया जा रहा है। मजदूरों का सीधा सवाल है कि तय मजदूरी और वास्तविक भुगतान के बीच का अंतर आखिर जाता कहां है।

सफाईकर्मी धर्मेंद्र ने आरोप लगाया कि नगर परिषद में वर्षों से मजदूरों का शोषण हो रहा है और भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि बार-बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि इतने बड़े स्तर पर मजदूरी में कटौती होना किसी सिस्टम की गलती नहीं, बल्कि सीधा भ्रष्टाचार है। अधिकारी जानते हैं, फिर भी आंखें मूंदे हुए हैं।

कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगे तुरंत नहीं मानी गईं तो आंदोलन का अगला चरण और भी उग्र होगा। वे सड़क जाम जैसे व्यापक कदम उठाने से भी नहीं हिचकेंगे। साफ है कि हड़ताल केवल मजदूरी का मुद्दा नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता और जवाबदेही की कमी पर भी सवाल खड़े करती है। उधर, नगर परिषद के अधिकारी बातचीत के जरिए संकट को शांत करने की कोशिश में जुटे हैं। प्रशासन ने दावा किया है कि मजदूरों की मांगों पर ह्लगंभीरता से विचारह्व चल रहा है और जल्द ही समाधान निकाला जाएगा। लेकिन बुधवार देर शाम तक बातचीत का कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया, और शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त बनी रही।

बक्सर की सड़कें, गलियां और मोहल्ले इस बात के गवाह हैं कि यदि बुनियादी सेवाओं से जुड़े कर्मियों की आवाज अनसुनी की जाए, तो इसका असर सीधे जनता की जिंदगी पर पड़ता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि नगर परिषद आरोपों से निकलकर व्यवस्था सुधारती है या शहर का कूड़ा संकट और लंबा खिंचने वाला है।

ग्रामीण पशु-सेवा का मजबूत स्तंभ बना एमवीयू-1962, स्टेट प्रोग्राम हेड ने किया यूनिट का निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

ग्रामीण क्षेत्रों में पशु-चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रही मोबाइल वेटरिनरी यूनिट (एमवीयू)-1962 ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली से प्रशंसा बटोरी है। शुक्रवार को बिहार के स्टेट प्रोग्राम हेड एसएनएल मूर्ति ने यूनिट का निरीक्षण किया और वाहन, उपकरणों व संपूर्ण व्यवस्था को मानक के अनुरूप व सराहनीय पाया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीम की तत्परता, अनुशासन और सेवा भावना पर विशेष संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एमवीयू-1962 की सक्रियता और मैदान में दिखाई जा रही जागरूकता ग्रामीण क्षेत्रों में पशु-स्वास्थ्य का मजबूत आधार बन रही है। टीम के पशु चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार, पैरावेट विकास पाल और चालक अशोक कुमार ने उन्हें यूनिट की फील्ड-वर्क प्रक्रिया, आपातकालीन सेवा और किसानों तक पहुंचने की रणनीति से अवगत कराया। टीम द्वारा समय पर प्रतिक्रिया और दूरदराज के इलाकों में निरंतर सेवा ने निरीक्षण दल को प्रभावित किया। जिला कोऑर्डिनेटर अग्निवेश कुमार की भूमिका को भी विशेष रूप से सराहा गया।

राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता के दूसरे दिन वरीय उप समाहर्ता ने किया मैच का शुभारंभ

केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय (अंतर प्रमंडल) अंडर-19 बालक/बालिका वुशू प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को मुकाबलों का रोमांच जारी रहा। वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा आलोक कुमार वत्स ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर दिन के मैचों का विधिवत शुभारंभ किया। मैदान में ऊजार्वान वातावरण के बीच खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते रहे। देर शाम तक विभिन्न वर्गों के मुकाबले जारी रहे, हालांकि अंतिम परिणाम समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सके थे।

प्रतियोगिता के सफल एवं निष्पक्ष संचालन में वुशु एसोसिएशन बिहार की तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। तकनीकी पदाधिकारियों में हेड जज संजय कुमार, सहायक हेड जज अनूप कुमार, रिकॉर्डर आलोक कुमार, प्लेटफॉर्म रेफरी मुकेश कुमार, रेफरी भानुप्रिया, टाइमकीपर दिलीप कुमार तथा साइडलाइन जज सनी कुमार, शशिभूषण झा, दिलीप कुमार व निधि कुमारी शामिल रहे। इन सभी ने प्रतियोगिता के हर मुकाबले को निष्पक्षता, पारदर्शिता और शिस्त के साथ संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षकों का भी सराहनीय योगदान रहा। सहयोगी टीम में अशोक कुमार, मदन कुमार (कार्यपालक सहायक), सत्येंद्र कुमार सिंह, संजय कुमार, सत्येंद्र सिंह यादव, दयाशंकर पाल, राकेश रंजन उपाध्याय, नीतीश कुमार, संजय कुमार सिंह, वशिष्ठ प्रसाद, मोहन सिंह, त्रिलोकी नाथ तिवारी, गिरीश कुमार उपाध्याय, सच्चिदानंद तथा मो. मुस्लिम आदि ने आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रामपुर में डीआरपी ने मॉर्निंग फॉलो-अप, शौचालय उपयोग पर लोगों को किया जागरूक

केटी न्यूज/केसठ

शुक्रवार की सुबह लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत हमारा शौचालय, हमारा सम्मान अभियान को मजबूती देने के उद्देश्य से डीआरपी त्रिभुवन सिंह ने रामपुर गांव में विस्तृत मॉर्निंग फॉलो-अप किया। इस दौरान उन्होंने गांव की गलियों और मोहल्लों का पैदल निरीक्षण करते हुए शौचालय उपयोग को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष फोकस किया।डीआरपी ने ग्रामीणों से बातचीत के दौरान कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई शौचालय सुविधा का नियमित उपयोग करना हर किसी की जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खुले में शौच न केवल अस्वच्छता को बढ़ाता है, बल्कि इससे बीमारियों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों को यह भी समझाया कि स्वच्छता का सीधा संबंध परिवार और समाज दोनों के स्वास्थ्य से जुड़ा है।मौके पर उन्होंने उन परिवारों का भी पता लगाया, जिन्होंने अब तक शौचालय निर्माण नहीं करवाया है। डीआरपी ने ऐसे परिवारों से बातचीत कर उन्हें शीघ्र शौचालय निर्माण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान तभी सफल होगा, जब सभी लोग शौचालय निर्माण और उसके नियमित उपयोग को जीवनशैली का हिस्सा बना लें।निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों के साथ भी बैठक की। उन्हें गांव में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर तरीके से लागू करने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए। डीआरपी ने कहा कि सफाई कर्मियों की सक्रिय भूमिका और नियमित कार्य ही गांव को पूरी तरह स्वच्छ और स्वस्थ बना सकते हैं।मॉर्निंग फॉलो-अप के दौरान ग्रामीणों में अभियान को लेकर सकारात्मक रुझान देखने को मिला। कई लोगों ने शौचालय के उपयोग और सफाई व्यवस्था बनाए रखने का आश्वासन दिया। डीआरपी ने सभी से अपील की कि स्वच्छता को आदत बनाएं, तभी हमारा शौचालय, हमारा सम्मान जैसे अभियान का वास्तविक लाभ हर घर तक पहुंच सकेगा।

मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे केसठ के दर्जनभर से अधिक एनडीए कार्यकर्ता, दिखा उत्साह

केटी न्यूज/केसठ

बिहार के मुख्यमंत्री के पद पर नीतीश कुमार ने गुरुवार को लगातार 10 वी बार शपथ ली है। इस मौके पर केसठ प्रखंड के एनडीए कार्यकताओं ने उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज कराई है। स्थानीय विधायक और जिला नेतृत्व के आह्वान पर प्रखंड के विभिन्न गांवों रामपुर, सिद्धिपुर, खरवनिया, दसियांव, केसठ से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पटना पहुंचे। शपथ ग्रहण से पूर्व ही राजधानी के गांधी मैदान और सचिवालय परिसर के आसपास उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। एनडीए समर्थक ढोल नगाड़ों, बैनरों और पार्टी के झंडों के साथ समारोह स्थल पर जमा हुए और मुख्यमंत्री के प्रति अपना समर्थन जताया। जो कार्यकर्ता पटना नहीं जा सके, उन्होंने पूरे उत्साह के साथ अपने गांवों में मोबाइल, टीवी और सोशल मीडिया लाइव के माध्यम से शपथ ग्रहण समारोह देखा। कई चौक-चौराहों पर बड़े टीवी सेट लगाए गए थे, जहां ग्रामीणों और युवाओं की भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं ने भी घरों में समारोह को लाइव देखकर मुख्यमंत्री के 10वीं बार पदभार संभालने पर खुशी व्यक्त की। केसठ के स्थानीय नेताओं ने बताया कि लगातार 10वीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेना राज्य में स्थिरता और विकास की उम्मीद का संदेश देता है। कार्यकताओं में नई सरकार से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में तेज गति से काम होने की उम्मीद जताई जा रही है।शपथ ग्रहण समारोह के बाद केसठ लौटे एनडीए समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और गांव गांव में उत्साह साफ झलकता रहा।

बिहार-झारखंड बॉर्डर के कई गांव में हाथियों का आतंक

- 22 हाथियों के झुंड ने पहुंचाया फसलों को भारी नुकसान

एजेंसी/पटना

गुरुवार की शाम में हाथियों का झुंड बिहार-झारखंड के बॉर्डर के करीब पहुंच गया। झुंड में शामिल हाथियों ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। जिस रास्ते से हाथियों का झुंड गुजरा वहां खेतो में लगे फसल को रौंदता चला गया। खलिहान रखे फसल को चट कर गया। इधर हाथियों के झुंड के मंदनाडीह गांव पहुंचने की सूचना पर भेलवाघाटी थाना की पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को सतर्क किया। देवरी के वनपाल नीरज पांडेय के द्वारा दी गयी जानकारी के मुताबिक झुंड में बाइस हाथी शामिल है, जिसमें हाथी के साथ बच्चा भी है। भेलवाघाटी के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि ग्रामीणों को हाथियों की झुंड से दूर रहने को कहा गया है। बॉर्डर के समीप हाथियों की झुंड ने किसान सिमोन मुर्मू व रौशन मुर्मू की खेत में लगे अरहर की फसल को रौंद दिया। झगरुडीह में इस्लाम अंसारी व नसीरुद्दीन अंसारी के खेत में लगे धान की फसल को रौंद दिया। अबुल कलाम के खलिहान में झाड़ कर रखे धान को खा गया। खलिहान के बगल की खेत में लगे आलू की फसल को रौंद दिया। धान की बंडल को तितर बितर कर दिया। दुलौरी में प्रदीप राय व श्याम राय के खेत में लगे फसल को रौंद दिया। मोगलाजोर में रबुल अंसारी व अनवर अंसारी के खलिहान में रखे धान फसल को खा गया।

इसराफिल अंसारी के खेत में आलू को रौंद दिया

चकाई वन क्षेत्र के पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार ने बताया कि हाथियों की झुंड के द्वारा बॉर्डर के समीप के कई गांव में फसलों नुकसान पहुंचाया गया है। हाथियों की झुंड पर कड़ी निगरानी की जा रही है।वही चिहरा थानाध्यक्ष रिंकू रजक ने बताया कि ग्रामीणों से अपील की गई है कि हाथियों के मूवमेंट पर नजर रखें और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचना दें। कहा कि हाथी के झुंड को जंगल में भेजने के लिए पहल की जा रही है।

एक नजर

काराकाट पुलिस ने वारंटी को दबोच भेजा जेल

काराकाट। पुलिस ने न्यायालय से जारी एनबीडब्ल्यू वारंट के तहत दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अभियुक्त कुरुर गांव निवासी धनजी सिंह की पत्नी प्रभावती देवी और शिवजी सिंह के पुत्र धनजी सिंह हैं।थानाध्यक्ष के अनुसार, दोनों के खिलाफ बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से गैर-जमानती वारंट निर्गत था। पुलिस टीम ने लगातार निगरानी के बाद छापेमारी कर दोनों को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि धनजी सिंह लंबे समय से फरार चल रहा था।विवेक कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कठोर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है और छापेमारी अभियान तेज गति से जारी है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूती मिली है।

खड़े ट्रक में बाइक सवार ने मारी टक्कर,एक की मौत दूसरा जख्मी

बिक्रमगंज । गुरुवार की रात करीब 9 बजे बिक्रमगंज-दिनारा मुख्य मार्ग पर धनगाई काली मंदिर के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया,जिसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई । जानकारी के मुताबिक बालू लदा एक ट्रक अचानक खराब हो जाने के कारण सड़क किनारे खड़ा कर दिया गया था । ट्रक चालक उसे ठीक कराने के लिए मिस्त्री लाने चला गया । इसी दौरान नटवार थाना क्षेत्र के वार्ड 17 ग्राम तेनुअज टोला निवासी सुनील चौधरी (35 वर्ष) पिता कपिल चौधरी अपनी बाइक से गांव की ओर लौट रहे थे । अंधेरे और अचानक खड़े मिले ट्रक का अंदाजा न लग पाने के कारण उनकी बाइक ट्रक के पिछले हिस्से से जोरदार टकरा गई । टक्कर इतनी भीषण थी कि सुनील बाइक समेत ट्रक के अंदर जा घुसे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई ।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आसपास के लोग घटनास्थल पहुंचे । सुनील को जख्मी हालत में बिक्रमगंज अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया,जहां पर अस्पताल के चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे और बेटे का शव देखकर बिलख पड़े । पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । इस घटना की पुष्टि बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने की । हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है तथा लोग रात में मुख्य मार्ग पर खड़े भारी वाहनों की व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी जता रहे हैं ।

पत्नी ने अपने पति को गंजा के आरोप में भेजवाया जेल

बिक्रमगंज । एक चौंकाने वाला मामला प्रकाश में आया है,जहां पत्नी की सूझबूझ और साहस से पुलिस ने गांजा के साथ एक व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया । मामला भोजपुर जिले के अगियांव थाना क्षेत्र के ग्राम कटरियां निवासी राहुल कुमार सिंह का है,जो बिक्रमगंज शिक्षक कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहता था और जीविकोपार्जन के लिए यहां चाय की दुकान चलाता था ।सूत्रों के अनुसार राहुल कुमार सिंह द्वारा अवैध रूप से गांजा रखने की जानकारी उसकी पत्नी को हुई । पत्नी ने तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी । पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तलाशी के दौरान घर से 125 ग्राम गांजा बरामद किया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने राहुल कुमार सिंह को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई की पुष्टि बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने की । मौके पर बरामद गांजा को सील कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर ली गई है । घटना के बाद क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि पत्नी ने समाजिक बुराई के खिलाफ हिम्मत दिखाते हुए खुद अपने पति को कानून के हवाले कर दिया।

बिल बकाया भरा नहीं और चोरी के जुगाड़ से जला रहें थे बिजली, प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज । बिजली चोरी के खिलाफ चलाये जा रहें विशेष अभियान के तहत प्रखंड सूर्यपुरा में एसटीएफ के नेतृत्व मे पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। बताते चलें की कुछ उपभोक्ताओं का बकाया विद्युत विपत्र की राशि रहने के कारण अस्थायी रूप से बिजली कनेक्शन कटने के उपरांत अवैध रूप से तार संयोजित कर बिजली चोरी करने को लेकर सूर्यपुरा टोला निवासी उषा देवी पर 81559, राजू पासवान पर 95404, बिगन राम पर 73579, दूधनाथ सिंह पर 75685 व पड़रिया के राजाराम सिंह पर 94283 रुपये राजस्व की क्षति आकलित करते हुए जुमार्ना लगाई गयी है। कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है साथ हीं बकायेदार उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हुए बताया गया की बिजली बिल समय रहते जमा करा दें अन्यथा विभाग के कर्मी घर-घर जाकर बकायेदारों का लाइन काट रहे हैं, लाइन कटने के बाद बिना बकाया राशि और रिकनेक्शन चार्ज जमा किये लाइन जलाते हुए पाए जाने पर आर्थिक जुमार्ने के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। छापेमारी अभियान जांच दल में एसटीएफ के सहायक विद्युत अभियंता समरजीत कुमार एवं क्षेत्रीय मानवबल राज कुमार प्रसाद, अखिलेश कुमार आदि मौजूद थें।

भोजपुर में मिठाई दुकानदार और पुत्र की डबल मर्डर मिस्ट्री सुलझी...

सूरज ने ही मारी थी गोली, अवैध संबंध हुई थी हत्या

एजेंसी/आरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलघाट के पास मिठाई दुकानदार प्रमोद महतो और उनके छोटे पुत्र प्रियांशु कुमार की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस की क्रॉस पूछताछ में यह साफ हो गया कि दोनों की हत्या सूरज कुमार सिंह ने ही की थी। गिरफ्तार आरोपित अशोक सिंह और जेल से रिमांड पर लिए गए सूरज से पूछताछ के दौरान पूरे घटनाक्रम की परतें खुलती चली गईं। पुलिस ने सूरज से हत्या में प्रयुक्त हथियार के बारे में पूछताछ की तो उसने एक तीसरे व्यक्ति का नाम बताया, लेकिन जब पुलिस ने उस शख्स को हिरासत में लिया तो उसने हथियार रखने से साफ इनकार कर दिया।इसके बाद पुलिस ने अपने स्तर से घटनाक्रम को जोड़ा और असली साजिश सामने आ गई। चार नवंबर को पुलिस ने नवादा थाना क्षेत्र के बहीरो निवासी द्वारिका शर्मा और कारीसाथ गांव निवासी सूरज कुमार को गिरफ्तार किया था। दोनों के मोबाइल भी जब्त किए गए थे। पूछताछ में पहले से आपराधिक इतिहास वाले सूरज ने अशोक सिंह का नाम भी उगल दिया।कांड की जड़ मृतक प्रमोद महतो के निजी विवाद से जुड़ी निकली। प्रमोद महतो पहले उदवंतनगर के कसाप गांव के रहने वाले थे, बाद में बहीरो और फिर पियनिया में घर बनाकर बसे थे। मुख्य साजिशकर्ता द्वारिका शर्मा, जो पहले प्रमोद का पड़ोसी रह चुका था, का मृतक की पत्नी से अवैध संबंध था। इसी कारण उसने प्रमोद को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। द्वारिका ने अशोक सिंह को चार लाख रुपये की सुपारी दी, जिसमें एक लाख रुपये एडवांस में दिए गए। इसके बाद अशोक ने अपना काम सूरज को सौंप दिया। 30 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे द्वारिका ने प्रमोद और उनके बेटे प्रियांशु को पैसे का लालच देकर कारीसाथ गांव बुलाया। वहां से विश्वास में लेकर दोनों को बेलघाट की तरफ ले जाया गया। प्रियांशु अपनी बाइक पर सूरज को बैठाकर चला था, जबकि प्रमोद अशोक की बाइक पर बैठे थे। रास्ते में सुनसान जगह पर सूरज ने पहले प्रियांशु को और फिर प्रमोद को गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए। पुलिस पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए अब चार्जशीट की तैयारी में जुट गई है।

छपरा में पुलिस वैन की टक्कर से महिला की मौत ड्राइविंग सीख रहे सिपाही की लापरवाही से हुआ हादसा

छपरा के टाउन थाना परिसर में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां एलटीएफ पुलिस की स्कॉर्पियो की चपेट में आने से 56 वर्षीय महिला आरती देवी की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब नगर थाना के सिपाही ने वाहन स्टार्ट किया और अचानक एक्सेलरेटर दब जाने से स्कॉर्पियो तेजी से आगे बढ़ गई। मृतका की पहचान आरती देवी, जो पुरानी गुरहट्टी मोहल्ला निवासी गोविंद प्रसाद की पत्नी के रूप में हुई है। वह वर्षों से थाने में पुलिस पदाधिकारियों के लिए खाना बनाने का काम करती थीं। हादसे के वक्त वह खाना बनाकर लौट रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो में पहले से चालक बिहारी और पुलिस जवान कुंदन कुमार बैठे हुए थे। जैसे ही जवान कुंदन ने वाहन स्टार्ट किया, नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी आरती देवी को टक्कर मारते हुए दूसरे वाहन से जा भिड़ी। गंभीर रूप से घायल आरती देवी को तुरंत छपरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही टाउन थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव कुमार, प्रभारी थानाध्यक्ष सूरज कुमार और एडिशनल एसपी राम पुकार सिंह अस्पताल पहुंचे।

मुख्यमंत्री सुलभ संपर्क पथ योजना में 'घटिया' काम, कोईलवर में ग्रामीणों ने निर्माण पर लगाई रोक

एजेंसी/आरा

मुख्यमंत्री सुलभ संपर्क पथ योजना के तहत संदेश से अखगांव होते हुए कोईलवर(धनडीहा) तक नहर बांध के पक्कीकरण का निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण नहीं कराए जाने को लेकर फरहंगपुर में ग्रामीणों ने कार्य को रोक दिया। जनप्रतिनिधि ललन कुमार, सुनील सिंह समेत ग्रामीण तुलसी चौधरी, चंचल कुमार, छोटे सिंह, दीपक शर्मा, कन्हैया शर्मा, जितेंद्र कुमार, राजजी राम ने बताया कि निर्माण कंपनी द्वारा बलुही मिट्टी में नाम मात्र का गिट्टी मिला कर सड़क बनाने के लिए पहला लेयर बिछाया जा रहा है।जिसमें 60 प्रतिशत गिट्टी और 40 प्रतिशत मिट्टी और बालू का मिश्रण बिछाना है, लेकिन निर्माण में उपयोग की जा रही मिट्टी और रॉ मटेरियल मानक के अनुरूप नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि कम गुणवत्ता वाली सामग्री से सड़क टिकाऊ नहीं होगी और जल्द खराब हो जाएगा। ग्रामीणों की मांग है कि सड़क निर्माण में स्वीकृत मानकों के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाली मेटेरियल और तकनीक का उपयोग किया जाए, ताकि सड़क लंबे समय तक टिकाऊ रह सके। उन्होंने संवेदक के मुंशी को स्पष्ट चेतावनी दी कि गुणवत्ता सुनिश्चित होने तक वे किसी भी प्रकार का कार्य आगे नहीं बढ़ने देंगे। इधर निर्माण कंपनी के मुंशी ने बताया कि तीन स्तर पर सड़क निर्माण कराया जा रहा है। सबसे नीचे आठ इंच का जीएसपी जिसमें 60/40 का गिट्टी/बालू, मिट्टी का मिश्रण बिछाया जा रहा है। उसके बाद नौ इंच का डब्ल्यूबीएम और 2.5 इंच कब पिचिंग किया जायेगा। संदेश से कोईलवर(धनडीहा) बांध पर 18.57 किलोमीटर लंबे इस संपर्क पथ के निर्माण पर 2993.0971 लाख रुपये खर्च होंगे। पांच वर्ष तक के रख-रखाव के लिए अलग से 242.30949 लाख रुपये का प्राकलन है। परियोजना का कार्य जुलाई 2025 से शुरू होकर जनवरी 2027 में पूरा करने का लक्ष्य है।पथ निर्माण कार्य सरस्वती कंस्ट्रक्शन को सौंपा गया है, जबकि इसकी निगरानी ग्रामीण कार्य विभाग, कार्यपालक अभियंता कार्य प्रमंडल आरा द्वारा की जाएगी।

गुड़गांव में मजदूर की दर्दनाक मौत, शव पहुंचते ही कोहराम, परिवार व ग्रामीणों ने मांगी आर्थिक सहायता

केटी न्यूज/सारण

हरियाणा के गुड़गांव स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले बिहार के एक मजदूर की मौत की खबर ने सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र के कर्ण कुदरिया गांव को शोक में डूबो दिया है। मृतक की पहचान स्व. मोहन मांझी के 40 वर्षीय पुत्र अमरनाथ मांझी के रूप में हुई है।गुरुवार देर शाम जब शव गांव पहुंचा तो पूरे इलाके में मातम का माहौल छा गया। परिजनों के कानों में जैसे ही मौत की खबर पड़ी, घर में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग और समाजसेवी शोकाकुल परिवार के पास पहुंचे और सरकार से मुआवजा एवं आर्थिक सहायता की मांग की।परिजनों के अनुसार, अमरनाथ मांझी कुछ दिन पहले ही रोजगार की तलाश में हरियाणा के गुड़गांव गए थे। वहां एक सीमेंट कंपनी में मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। काम के दौरान भारी सीमेंट सामग्री के नीचे दबने से उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कंपनी प्रबंधन ने घटना से परिवार को अवगत कराया और पोस्टमार्टम के बाद शव गांव भिजवा दिया। शव पहुंचते ही परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की पत्नी, तीन पुत्र और एक पुत्री के करुण क्रंदन से पूरा माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि अमरनाथ परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे और उनकी असामयिक मौत ने पूरे परिवार को बुरी तरह तोड़ दिया है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल वित्तीय सहायता देने की अपील की।इधर, पिछले दो दिनों में सारण जिले के मजदूरों की मौत के कई मामले सामने आए हैं, असम, दिल्ली और गुड़गांव से। सबसे भयावह मामला असम के तिनसुकिया जिले के मारग्रेटा स्थित एक ईंट भट्ठे से सामने आया, जहां इसुआपुर थाना क्षेत्र के आठ मजदूरों को बंधक बनाकर काम कराया जा रहा था। छठ पूजा के लिए छुट्टी मांगने पर मजदूरों को बांधकर बेरहमी से पीटा गया, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई जबकि अन्य अभी भी बंधक बने हुए हैं। इसी बीच दिल्ली और गुड़गांव में भी निजी कंपनियों में काम कर रहे दो मजदूरों की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हुई है।

शादी का झांसा देकर युवती से यौन शोषण, पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में फेसबुक पर हुई दोस्ती प्यार में बदल गई, लेकिन युवक ने शादी का झांसा देकर युवती का पांच साल तक यौन शोषण किया और गहने ठग लिए। पीड़िता ने सिकंदरपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई, पुलिस जांच में जुटी है।मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर एक युवती के साथ पांच वर्षों तक कथित तौर पर यौन शोषण किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने मारपीट और गहने ठगने का भी आरोप लगाया है। सोनम कुमारी नाम की पीड़िता ने आरोपी राजू सहनी उर्फ राधे के खिलाफ सिकंदरपुर थाने में लिखित आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई है। पीड़िता सोनम कुमारी ने बताया कि करीब चारझपांच वर्ष पहले आरोपी राजू सहनी (निवासी अखाड़ाघाट रोड) ने फेसबुक के माध्यम से उससे संपर्क साधा। बातचीत बढ़ी और प्रेमजाल में फंसाकर उसने मोबाइल नंबर हासिल किया। इसके बाद शादी का झांसा देकर बालूघाट रोड स्थित एक कमरे में पति-पत्नी की तरह रहने लगा। इस दौरान आरोपी ने कई वर्षों तक उसका लगातार यौन शोषण किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसे होटल आस्था सहित कई अन्य जगहों पर भी ले जाकर शारीरिक संबंध बनाता रहा।

शादी की बात पर ठगे गहने और की मारपीट

पीड़िता ने बताया कि जब भी वह शादी के लिए दबाव डालती, आरोपी हमेशा बहाने बनाकर टाल देता था। इसी दौरान उसने पीड़िता के सोने के झुमके, गले की चेन और दो अंगूठियां जिसकी कुल कीमत 1 लाख 75 हजार रुपये बताई गई है जिसे ठग लिया। आरोप है कि अंतिम बार 10 नवंबर 2025 को शादी की बात करने पर आरोपी ने अपने घर बुलाकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की, शादी से साफ इनकार कर दिया और उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया।

दूसरी शादी की भनक लगने पर पहुंची पुलिस के पास

पीड़िता को जब 4 अगस्त 2025 को पता चला कि आरोपी किसी दूसरी जगह शादी करने की तैयारी कर रहा है, तो उसने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस के साथ आरोपी के घर पहुंची। उस समय राजू सहनी ने सबके सामने शादी का वादा किया, लेकिन अगले ही दिन अपने दोस्त के नंबर से मैसेज कर शादी से इनकार कर दिया और दूसरी लड़की के साथ तस्वीर भेज दी। पीड़िता के आवेदन के आधार पर सिकंदरपुर थानाध्यक्ष दुखी कुमार महतो ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो चुका है। पुलिस टीम जांच-पड़ताल में जुट गई है और मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सुंदरराज स्वामी ने भगवान जगन्नाथ का किया दर्शन पूजन

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड के बरना अमरथा जंगल अमरपुर स्थित जगन्नाथ मठ परिसर पहुंच श्री श्री 1008 श्री त्रिदंडी सवामी जी महाराज के पाद सेवक तपो मूर्ति संत यतिराज श्री सुंदर राज स्वामी ने गुरूवार को भगवान जगन्नाथ का दर्शन पूजन किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों भक्त मठ परिसर पहुंच सुन्दरराज जी के सानिध्य में भगवान जगन्नाथ का दर्शन पूजन करते हुए मनोकामना पूर्ति के लिए आशिर्वाद प्राप्त किया। मठाधिश्वर सुदर्शनाचार्य ने बताया कि भगवान जगन्नाथ जी की सेवा में सुन्दरराज जी समेत अन्य कई संतो का आगमन हुआ है.सभी संत तीन दिनों तक लगातार भगवान के छप्पन भोग सेवा में समर्पित रहेंगे। इस दौरान सैकडों भक्तों ने सुन्दरराज जी के सानिध्य में बैठकर उनके श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा अन्तर्गत भगवान श्री कृष्ण के गिता ज्ञान व उसके महात्म्य को प्राप्त कर रहे हैं। मौके पर त्रिदंडी रंगनाथाचार्य सवामी, कुलशेखर स्वामी, अनुभवानन्द स्वामी, नारायण सवामी,कमल नारायण स्वामी, मनीषानन्द जी, ददन पाण्डेय समेत अन्य दर्जनों भक्त गण मौजूद थे।

बिहार में गुड़ उद्योग को बढ़ावा : सरकार दे रही 1 करोड़ तक का अनुदान

एजेंसी। पटना

बिहार में सरकार बनते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पूरा ध्यान रोजगार और उद्योग धंधों की ओर है। गुड़ उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नई पहल शुरू की है। किसानो और निवेशकों के लिए बड़ा मौका सरकार ने दिया है। अब गुड़ की मिठास से बंपर कमाई होगी। इसके लिए 1 करोड़ रुपये तक का अनुदान नीतीश सरकार देगी। इस योजना का लाभ उठाने के लिए जल्द आवेदन करें। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 नवंबर रखी गयी है। पेराई क्षमता के अनुसार 6 लाख से 1 करोड़ तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार सरकार ने राज्य में गुड़ उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी प्रोत्साहन कार्यक्रम की शुरूआत की है। इसके तहत गन्ना किसानों और निवेशकों से गुड़ उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह योजना ना केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि ग्रामीण उद्योग को भी नई मजबूती देगी। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न पेराई क्षमता वाली गुड़ उत्पादन इकाइयों को पूंजी लागत का 50 प्रतिशत तक अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। पेराई क्षमता के आधार पर अनुदान की सीमा इस प्रकार तय की गई है।

5–20 टन प्रतिदिन : अधिकतम 6 लाख रुपये

21–40 टन प्रतिदिन : अधिकतम 15 लाख रुपये

41–60 टन प्रतिदिन : अधिकतम 45 लाख रुपये

60 टन से अधिक प्रतिदिन : अधिकतम 1 करोड़ रुपये

इच्छुक किसान एवं निवेशक ccs.bihar.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार, यह आवेदन सप्तम चरण के तहत लिए जा रहे हैं, जिसकी अंतिम तिथि 25 नवंबर 2025 निर्धारित है। अधिक जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के संबंधित ईख अधिकारी या सहायक निदेशक से संपर्क कर सकते हैं। राज्य सरकार का यह कदम गन्ना आधारित ग्रामीण उद्योगों को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है, जिससे रोजगार, आर्थिक विकास और किसानों की आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही है।

एक नजर

भागलपुर में गंगा की धारा मोड़ने पर बवाल, ग्रामीणों ने आगजनी कर मुख्य सड़क को किया जाम

भागलपुर। भागलपुर जिले के नाथनगर प्रखंड के अजमेरीपुर बैरिया में गंगा का धारा मोड़ने को लेकर तीन दिन से गंगा में इन्लेंड वाटर सर्वे के तहत काम चल रहा था। जिसका ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि अगर गंगा की धारा को मोड़ दिया जाएगा तो गांव में कटाव का खतरा बढ़ जाएगा और उपजाऊ जमीन भी नष्ट हो जाएगा। इसी के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों ने अजमेरीपुर बैरिया स्कूल के पास हांथ में झाड़ू लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन किया और रसीदपुर पुल पर आगजनी कर आवाजाही बाधित कर दिया। वही ग्रामीणों ने बताया की गंगा अभी पश्चिम से आकर बैरिया से सीधे उत्तर की दिशा में चल रही है। अब पूर्व दिशा में जमीन जो बचा है ग्रामीणों का बैरिया,अजमेरीपुर,रसीदपुर, उदिलदारपुर, श्रीरामपुर, लालूचक, बिंद टोली, भीत रसीदपुर के ग्रामीणों का करीब एक हजार एकड़ से अधिक उपजाऊ जमीन है। इसी जमीन के बीचबीच राज्य सरकार गंगा के मुख्य धार को निकाल रही है। जिससे ग्रामीणों के रोजी रोटी पर आफत आ जाएगी। क्योंकि इसी जमीन में उपजा कर वह लोग अपना भरण पोषण करते हैं।अगर धार इस तरफ मुड़ जाता है तो जमीन तो जाएगी ही साथ ही गांव का अस्तित्व भी खत्म हो जायेगा। क्योंकि गांव कटाव के जद में आ जाएगा। इसलिए ग्रामीण हर हाल में धार को इधर मोड़ना देना नहीं चाह रहे हैं।

तेज रफ्तार ऑटो डिवाइडर से टकराया मासूम बच्ची की मौत, कई घायल

सहरसा। बिहार के सहरसा जिले से एक दर्दनाक हादसा की घटना सामने आया है, जहां बिहरा थाना क्षेत्र के रहूआ चौक के पास यात्रियों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि ऑटो पलट गया और उसमें सवार आठ लोगों में से 7 साल की बच्ची अदिति कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बच्ची सहरसा सदर थाना क्षेत्र के लवली आनंद पथ निवासी कौशल कुमार की पुत्री थी। वहीं, हादसे में सात लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन महिलाएं और दो नाबालिग शामिल हैं। घायलों में निशिकांत झा (34), आभा झा (42), उर्मिला देवी (62), मुन्ना झा (55), नेहा झा (26), अनुराग कुमार (3) और आराध्या कुमारी (9) शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मृत बच्ची के फूफा महेश कुमार झा ने बताया कि पूरा परिवार नवहट्टा थाना क्षेत्र के हाटी बराही में आयोजित श्रद्धा-क्रम कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। ऑटो की रफ्तार काफी अधिक थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सहरसा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने छोटी बच्ची अदिति को मृत घोषित कर दिया। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और घर में मातम पसरा हुआ है। इस घटना पर सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में एक बच्ची की दुखद मौत हुई है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने बताया कि ऑटो चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार हादसे का प्रमुख कारण प्रतीत हो रहा है। जांच जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस मार्ग पर कई बार हादसे हो चुके हैं, इसलिए प्रशासन को स्पीड कंट्रोल और ट्रैफिक निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।

वैशाली में ज्वेलरी व्यापारी की पीट-पीटकर हत्या दो आरोपित गिरफ्तार, 9 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी। वैशाली

वैशाली थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर के समीप गुरुवार की देर शाम स्वर्ण व्यवसायी हिमांशु कुमार की बदमाशों ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वहीं उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक 19 वर्षीय हिमांशु दाउदनगर निवासी रंजीत साह का पुत्र था और उसकी चकअलहदाद सरकारी पोखर के पास सोना-चांदी व बर्तन की दुकान है। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली थाना और बेलसर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसडीपीओ सदर-2 गोपाल मंडल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर पूरी जानकारी ली। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की शाम करीब साढ़े सात बजे हिमांशु अपनी दुकान बंद कर अपने मित्र चकअलहदाद निवासी हरिमोहन राय के पुत्र प्रिंस कुमार के साथ बाइक से इब्राहिमपुर की ओर गया था। वहां 8-10 हमलावरों ने लाठी-डंडा व लोहे की राड से मारपीट कर जख्मी कर दिया। हमलावरों ने मारपीट में गंभीर रूप से जख्मी हिमांशु को इब्राहिमपुर से दुमदमा जाने वाली सड़क किनारे फेंक दिया। सड़क किनारे घायल युवक को देखकर वहां लोगों की भीड़ जुट गई। दोनों को इलाज के लिए मंसुरपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डाक्टर ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता और स्वजन आनन-फानन में अस्पताल पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली थाना की पुलिस के अलावा बेलसर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। एसडीपीओ सदर-2 ने गोपाल मंडल ने भी मौके पर पहुंच कर जांच की। देर रात सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव स्वजनों को सौंप दिया।

पिता ने 9 लोगों के विरुद्ध कराई प्राथमिकी

इस मामले में मृतक के पिता ने नौ लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एक सप्ताह पहले दुमदूमा गांव निवासी अजीत कुशवाहा के पुत्र आकांशु कुमार से विवाद हुआ था। इसके बाद उसने इसका बदला लेने की धमकी दी थी। इस संबंध में वैशाली थाना के एसआई दीपक कुमार ने बताया चकअलहदाद गांव निवासी हरि मोहन राय का पुत्र प्रिंस कुमार एवं दुमदुमा गांव निवासी पूनम कुशवाहा के पुत्र प्रिंस कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिथिला विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में हंगामा : भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्रों का उग्र प्रदर्शन, कई हिरासत में

एजेंसी। पटना

मिथिला विश्विद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों ने भ्रष्टाचार और मनमानी के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया। पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। इस दौरान कई छात्रों को हिरासत में लिया गया। मिथिला यूनिवर्सिटी में चल रहे कथित भ्रष्टाचार, मनमानी, शैक्षणिक अव्यवस्था और फर्जी कुलपति को पदमुक्त करने की मांग को लेकर संयुक्त छात्र मोर्चा ने दीक्षांत समारोह के दौरान आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। छात्र नेता कार्यक्रम स्थल जाना चाहते थे लेकिन पुलिस ने रास्ते में रोक दिया। प्रदर्शन में आइसा, आरवाईए, एनएसयूआई, अक्स्त्र्ह्व रत्र्क्ष् छात्र राजद समेत कई छात्र संगठन शामिल रहे।मिजार्पुर चौक से शुरू जुलूस आयकर चौक होते हुए विश्वविद्यालय मुख्यालय पहुंचा, जहां पुलिस से धक्का-मुक्की के बाद छात्र बैठकर प्रदर्शन करने लगे। छात्रों ने कुलाधिपति से वार्ता की मांग की, लेकिन वार्ता का समय न मिलने पर आक्रोश बढ़ा। प्रशासन ने कई छात्रों को हिरासत में लेकर थाने ले जाया, जहां एसडीओ के माध्यम से मांग पत्र कुलाधिपति तक भेजा गया। छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन संगठित लूट, ट्रांसफरझ्रपोस्टिंग में भ्रष्टाचार, फर्जी नियुक्ति और दीक्षांत समारोह में भारी वसूली जैसे मामलों में लिप्त है। नेताओं ने विश्वविद्यालय की सभी नियुक्तियों, ट्रांसफर और प्रभारी प्रधानाचार्य की जांच व ऑडिट की मांग की।

कुलपति का घेराव

छात्रों ने मांग की कि इन वस्त्रों को अविलम्ब बदला जाए। मेडल पाने वाली छात्रा रोजी कुमारी ने आरोप लगाया कि छात्रों से 1200 से 1700 रुपये तक लिए जा रहे हैं, लेकिन न तो ठीक कपड़ा दिया जा रहा है और न ही भोजन की व्यवस्था है। उन्होंने पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था चरमराई होने का भी आरोप लगाया, जिसके कारण छात्रों में आक्रोश फैल गया।

जमीन कारोबारी की हत्या का आरोपी एआईएमआईएम नेता गिरफ्तार, टॉप अपराधियों की लिस्ट में था शामिल

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना में अपराध की दुनिया का एक बड़ा नाम गिरफ्तार किया गया है। फुलवारी शरीफ थाना पुलिस ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता और पाटलिपुत्र लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रत्याशी फारूक रजा उर्फ डब्ल्यू को गिरफ्तार कर लिया है। फारूक जमीन कारोबारी अनवर आलम की हत्या समेत रंगदारी और अन्य अपराधों के नौ मामलों में फरारी थी। केवल यही नहीं वह टॉप 10 अपराधियों की सूची में शामिल था।प्रभारी सिटी एसपी पश्चिम शिवम धाकड़ ने बताया है कि फारूक को नोसा मोड़ से दबोचा गया। 19 मई को फुलवारी थाना क्षेत्र के ईमारत-ए-सराय के पास अनवर आलम की गोली मारकर की गई हत्या में भी फारूक नामजद आरोपी था। इस केस में पहले ही 8 अन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और फारूक की तलाश लंबे समय से चल रही थी। फारूक एआईएमआईएम का सक्रिय सदस्य था और पाटलिपुत्र सीट से टिकट की दौड़ में भी था। लेकिन अपराधों के कारण पार्टी ने उससे दूरी बना ली। उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी और गैंगस्टर एक्ट जैसे धाराओं में केस दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद फारूक को पूछताछ के लिए ले जाया गया। पुलिस अब उसके नेटवर्क की परतें खोलने की कोशिश कर रही है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। फुलवारी शरीफ में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसपी ने कहा कि इस तरह के अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। फारूक की गिरफ्तारी से पुलिस का मनोबल बढ़ा है। अब देखना है कि इससे जुड़े अन्य केसों में क्या खुलासे होते हैं।

अचानक राजभवन पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंत्रियों के विभागों की लिस्ट राज्यपाल को सौंपा

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने के लिए जेडीयू कार्यकर्ता एक अणे मार्ग पहुंचे थे। तभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक राजभवन के लिए रवाना हो गए। किसी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि मुख्यमंत्री गवर्नर से मिलने के लिए अभी राजभवन जाएंगे, क्योंकि उस वक्त राजभवन का गेट बंद था। जब मुख्यमंत्री राजभवन पहुंचे तो वहां हलचल मच गई। राजभवन के मेन गेट को खोला गया, जिसके बाद सीएम का काफिला अंदर गया। मंत्रियों की सूची को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे थे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी भी उनके साथ मौजूद थे। मुख्यमंत्री मंत्रियों के बीच आवंटित होने वाले विभागों की सूची राज्यपाल को सौंपेंगे, जिसके बाद विभागों का वितरण किया जाएगा। बता दें कि 20 नवंबर को बिहार में एनडीए की नई सरकार का गठन हुआ था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10वीं बार सीएम पद की शपथ ली। उनके साथ-साथ बीजेपी कोटे से 12 तो जदयू के कोटे से 9 मंत्रियों ने भी शपथ ली। वहीं चिराग पासवान का पार्टी लोजपा रामविलास से दो विधायक, जीतन राम मांझी की पार्टी ल्रअट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और टछ्उ संतोष कुमार सुमन ने मंत्री पद की शपथ ली। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी फ्छट से उनके बेटे दीपक प्रकाश ने मंत्री पद की शपथ ली। अब इन मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा होगा। विभागों की लिस्ट को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल से मिलने के लिए राजभवन पहुंचे। उम्मीद जतायी जा रही है कि आज ही देर शाम तक सभी मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा हो जाएगा।

पटना समेत कई जिलों में सुबह हल्की ठंड और कोहरा

- **दो दिन बाद गिरेगा पारा, सावधान रहें**

एजेंसी। पटना

बिहार में लोगों ने अपने घरों में कंबल निकाल लिए हैं। लोग स्वेटर और जैकेट पहने बिना घर से बाहर नहीं निकल रहे। सुबह और शाम को ठंड पूरी तरह महसूस होने लगी है। आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट होगी। मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। बिहार में ठंड बढ़ने लगी है। पारा गिरकर 13 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने स्पष्ट कहा है कि 4 से 5 दिन तक पछुआ हवा के कारण मौसम शुष्क बना रहेगा सुबह और शाम हल्की ठंड रहेगी। पटना समेत कई इलाकों में कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग ने कहा है कि पटना समेत राज्य के लगभग सभी जिलों में अगले दो दिन तक तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है लेकिन इसके बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। आम लोग सावधान रहें। गर्म कपड़े पहनकर ही सुबह और शाम में बाहर निकलें। इधर, आज के मौसम की बात करें तो पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, गोपालगंज, दरभंगा समेत कुछ जिलों में सुबह से ही हल्का कोहरा देखने को मिला। हालांकि नौ बजे तक पटना, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर भागलपुर गया मुंगेर समेत कई जगह धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश भागों के न्यूनतम तापमान मे कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। इसके बिहार राज्य के अनेक भागों के न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री तक की गिरावट का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार का मौसम शुष्क बना रहा। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस पूर्णिया का दर्ज किया गया। वहीं राज्य का अधिकतम तापमान 26.9 से 30.8 सेल्सियस के बीच रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार राज्य के अनेक भागों के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं दर्ज की गयी। वहीं कम न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस पूसा (समस्तीपुर) में दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री से 20 डिग्री के बीच रहा। सबसे कम न्यूनतम दृश्यता 1000 मीटर पटना एवं पूर्णिया में दर्ज किया गया। हालांकि इन दोनों जगहों पर विमान सेवा प्रभावित नहीं हुई।

सीतामढ़ी का कुख्यात चढ़ा पुलिस के हत्थे, सिर पर था कई हत्याओं का आरोप

एजेंसी। पटना

सीतामढ़ी जिले का सबसे कुख्यात अपराधी जितेश झा गुरुवार रात पुलिस के द्वारा दबोच लिया गया है। इसे बिहार रळऋ ने गया जंक्शन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि ये अपराधी दो हाई-प्रोफाइल हत्याकांडों 18 वर्षीय शुभम झा और मुखिया के देवर मदन कुशवाहा के हत्या मामले में की हत्या में मुख्य आरोपी था। दोनों मामलों में वह महीनों से फरार चल रहा था।18 दिसंबर की शाम शुभम झा घर से लापता हुआ था। अगले दिन बथनाहा थाना क्षेत्र के रानी पुल के पास उसका शव मिला था। उसके शरीर पर पांच गोलियाँ लगी थीं। प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद वजह सामने आई थी। पुलिस ने तुरंत सूरज कुमार, अंकित कुमार और आदित्य कुमार को पकड़ लिया था, लेकिन जितेश फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस ने उसके घर की कुर्की तक कर दी थी। शुभम की हत्या के बाद गुस्साए लोगों ने सड़कें जाम की थीं और तत्कालीन डीएसपी रामकृष्ण का पुतला फूंका था। इसके बाद डुमरा के लगमा में गणेश शर्मा की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस केस में भी जितेश का नाम सामने आया था। गुरुवार रात एसटीएफ को खबर मिली कि जितेश गया स्टेशन से कहीं भागने की फिराक में है। टीम ने तुरंत दबिश देकर उसे दबोच लिया।

सुभाषितम्

न्याय और नीति लक्ष्मी के खिलौने हैं, वह जैसे चाहती है नचाती है। - प्रेमचंद

बेलगाम होंगे राज्यपाल

20 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए संवैधानिक सवालों पर अपनी राय देते हुए यह स्पष्ट कर दिया है, कि राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए विधेयकों पर निर्णय लेने की कोई समय-सीमा तय नहीं की जा सकती है। अप्रैल 2025 में सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने तीन महीने की अनिवार्य समय-सीमा तय की थी। जिससे विपक्षी राज्यों की सरकारों को उम्मीद बंधी थी, कि केंद्र सरकार के इशारे पर राज्यपालों द्वारा विधेयक रोकने की जो राजनीति की जा रही थी, वह अब खत्म होगी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में हुई सुनवाई के बाद दो जजों की खंडपीठ का फैसला अब विवादों में आ गया है। सुप्रीम कोर्ट की राय दो जजों वाली खंडपीठ के फैसले के विपरीत है। यहीं से एक बड़ी कानूनी और राजनीतिक बहस शुरू होती है। सुप्रीम कोर्ट की इस राय से एक बार फिर राज्यपालों की शक्तियों को फिर से अनियंत्रित ताकत मिल गई है। इस ताकत मिलने के बाद क्या राज्यपाल ही राज्य के असली संवैधानिक मुखिया होंगे? दिल्ली सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में सारे देश ने यह देख लिया है, कि उपराज्यपाल निर्वाचित सरकार के ऊपर भारी पड़े। जो उपराज्यपाल चाहते थे वही काम दिल्ली सरकार को करने पड़े। भारत की संघीय लोकतांत्रिक संरचना तभी संतुलित रह सकती है जब केंद्र और राज्य दोनों संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करें। एक-दूसरे के अधिकारों में हस्तक्षेप ना करें। पिछले वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा राज्यपालों के माध्यम से विपक्षी राज्यों की सरकार और वहां की विधानसभा पर अघोषित रूप से अधिकार में लेने की जो कोशिश की जा रही थी सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से राज्यपाल विधेयकों को मंजूरी देने में अब बिना किसी भय के राज्य सरकारों को केंद्र सरकार के इशारे पर परेशान करेंगे बिना कारण बताये। दिल्ली, तमिलनाडु, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल इसके उदाहरण हैं। जहां सरकारों को अपने ही राज्य के विधानसभा और निर्वाचित विधायकों द्वारा जो कानून बनाए गए थे उन्हें लागू कराने के लिए, अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। यही कारण था सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल वाले आदेश से उम्मीद जगी थी। केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच संस्थागत टकराव कम होगा। राज्यपालों की भूमिका स्पष्ट होगी। राज्य सरकार और राज्यपाल अपनी-अपनी भूमिका में काम करेंगे। 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने जो राय दी है, उससे स्थिति को एक बार फिर धुंधला बना दिया है। अदालत ने कहा है कि समय सीमा थोपने से न्यायपालिका, कार्यपालिका के कार्यों में हस्तक्षेप करेगी। जो संविधान के प्रावधान हैं उनके खिलाफ है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक लंबित नहीं रख सकते हैं। यदि देरी बिना कारण हो, तो अदालत सीमित दायरे में रहकर हस्तक्षेप कर सकती है। यही अनिश्चितता इस मामले को और जटिल बनाता है। राज्यपाल कब तक इंतजार करवा सकते हैं? अनिश्चितकाल नहीं का व्यावहारिक अर्थ क्या है? क्या फिर से हर राज्य को देरी होने पर कोर्ट जाना पड़ेगा? सबसे बड़ा खतरा यही है, यह अस्पष्टता राजनीतिक लाभ लेने वालों के लिए नया अवसर खोलती है। केंद्र सरकार के पास राज्यों से कई गुना ज्यादा अधिकार हैं। केंद्र सरकार राज्यपालों की नियुक्ति करती है। राज्यपाल एक संवैधानिक अधिकारी हैं। राजनीतिक निष्ठा के चलते राज्यपाल के पद पर ऐसे लोगों को नियुक्त किया जाता है जो किसी विशेष विचारधारा तथा किसी विशेष संगठन के रूप में कार्य करते हैं। राज्यपालों के उपर विवेकाधीन-शक्ति बिना समय-सीमा तथा बिना जिम्मेदारी के छोड़ दी जाती है। ऐसी स्थिति में विपक्ष-शासित राज्यों में विधायी प्रक्रिया को रोककर केंद्र में जो राजनीतिक दल बैठा है वह राज्यों में अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई को बढ़ावा देगा। संघीय ढांचे में केंद्र सरकार की अलग शक्तियां हैं तथा राज्य सरकारों को उनके राज्य के लिए अलग शक्तियां प्राप्त हैं। चुनी हुई सरकारों की शक्ति कानून बनाने और कानून का पालन कराने में निहित है।

नई सरकार, नए समीकरण और 2026 की राजनीतिक पृष्ठभूमि

- कांतिलाल मांडोत

बिहार की राजनीति में एक बार फिर इतिहास दोहराया गया है। नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर यह साबित कर दिया कि राज्य की राजनीति में उनकी पकड़, उनका अनुभव और उनका संतुलन आज भी उतना ही मजबूत है जितना दो दशक पहले हुआ करता था। शपथ ग्रहण समारोह में जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गमछा हिलाकर उत्साह जताया उससे उपस्थित भावविभोर हो गए।इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और भाजपा के हजारों कार्यकताओं ने भाग लिया। उसने न केवल बिहार की राजनीति बल्कि आने वाले वर्षों के राष्ट्रीय चुनावी समीकरणों को भी एक संदेश दिया है।इस समारोह में डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय मिश्रा ने शपथ ली। कुल मिलाकर 26 मंत्रियों की टीम बनी जिसमें 14 भाजपा कोटे से, 8 जदयू से, लोजपा, हम और कुशवाहा की पार्टी से एक-एक मंत्री शामिल किए गए। खास बात यह रही कि मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम मंत्री को भी स्थान दिया गया, जिसे संतुलन और सामाजिक प्रतिनिधित्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हरियाणा, राजस्थान, मेघालय, यूपी, गुजरात, नागालैंड, ओडिशा, दिल्ली सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्व दिया। स्पष्ट है कि भाजपा-जदयू गठबंधन न केवल बिहार को लेकर, बल्कि आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीतिक प्रबंधन के लिए भी नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। नई सरकार के गठन के बाद बिहार के सामने बड़ी चुनौतियाँ भी है। आर्थिक संतुलन जरूरी है। आय और खर्च को संतुलित करने की कठिन चुनौती भी मुह फाडे खड़ी है। बिहार लंबे समय से आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों में गिना जाता रहा है। राज्य का राजस्व संग्रह कम, केंद्र पर निर्भरता अधिक और कल्याणकारी योजनाओं पर भारी खर्च इसकी आर्थिक संरचना को अस्थिर बनाता है। नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है।जिसमे आय के नए स्रोत बनाना, निवेश आकर्षित करना और औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना महत्वपूर्ण होगा। बिहार की सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि यहाँ उद्योग-धंधों की कमी के कारण राजस्व का मजबूत आधार नहीं बन पाया। नई सरकार को डोमेस्टिक और ग्लोबल निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए प्रशासनिक सुधार, भूमि सुधार और तेज मंजूरी प्रणाली बनानी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य सुधार में भी सरकार को ध्यान देना होगा। बिहार की युवा आबादी बड़ी है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था की कमियाँ और स्वास्थ्य अधोसंरचना की खामियाँ अब भी चुनौती बनी हुई हैं। नीतीश कुमार की सरकार ने वर्षो में कई सुधार किए, लेकिन अपेक्षाओं के हिसाब से अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। नई सरकार को शिक्षकों की कमी दूर करनी होगी।स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर करनी होंगी। जबकि विश्वविद्यालयों में शोध और तकनीकी शिक्षा पर जोर देना होगा। जिला अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या और सुविधाओं को बढ़ाना होगा। कानून-व्यवस्था हमेशा से बिहार के लिए एक निर्णायक राजनीतिक मुद्दा रहा है। हाल के वर्षों में सुधार के दावे हुए, लेकिन अब भी अपराध, भूमि विवाद, अवैध शराब कारोबार और सामुदायिक तनाव की घटनाएं सामने आती रहती हैं। अपराध नियंत्रण में तकनीकी उपयोगऔर तेज न्याय प्रणाली के साथ प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ानी होगी।बिहार में सड़कों, पुलों और ग्रामीण कनेक्टिविटी में पिछले दो दशकों में काफी काम हुआ है, लेकिन औद्योगिक गलियारों, बड़े हाईवे नेटवर्क, बिजली वितरण और जल प्रबंधन की दिशा में अभी भी बड़े निवेश की जरूरत है। नई सरकार को केंद्र के साथ मिलकर इन क्षेत्रों में तेजी लानी होगी, ताकि रोजगार और औद्योगिक विकास दोनों को गति मिल सके। नीतीश की वापसी से बिहार को क्या राजनीतिक लाभ नीतीश कुमार का राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक क्षमता बिहार के लिए एक संतुलनकारी भूमिका निभाती रही है। भाजपा और जदयू का तालमेल फिर मजबूत हुआ है, जो राज्य में स्थिरता का संकेत देता है।निर्णय लेने की गति बढ़ाता है औरविकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखता है।अब केंद्र और राज्य की एक जैसी विचारधारा वाली सरकार के कारण केंद्र से मिलने वाली सहायता बढ़ेगी। बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को तेजी मिलेगी। यह तालमेल आने वाले वर्षों में बिहार को आर्थिक मजबूती की दिशा में आगे ले जा सकता है। बिहार में भाजपा-जदयू गठबंधन की बड़ी जीत ने राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा के लिए एक मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक बढ़त पैदा की है। 2026 में होने वाले पाँच प्रमुख राज्यों असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और एक केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव पर इसके स्पष्ट प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। असम में भाजपा की स्थिति और मजबूत होगी। बिहार की जीत से पूर्वोत्तर में भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ेगा। असम में भाजपा पहले से मजबूत है, लेकिन गठबंधन समीकरण और बेहतर अभियान के लिए इसके मनोवैज्ञानिक फायदे होंगे। पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए प्रेरक परिणामदेखने को मिल सकते है।पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण राज्य है। बिहार की जीत से भाजपा को यह संदेश मिलेगा कि पूर्वी भारत में जनाधार तेजी से बढ़ रहा है। इससे बंगाल में कैडर सक्रिय होंगे। हिंदुत्व व विकास दोनों मुद्दों पर नई रणनीति बनेगी।नेतृत्व को मजबूती मिलेगी। तमिलनाडु और केरल में नए अवसर दिखाई देंगे।भले ही दक्षिण भारत भाजपा के लिए कठिन क्षेत्र रहा है, लेकिन बिहार जैसी जीतें पार्टी के कार्यकताओं में जोश भरती हैं। इससे दक्षिण भारत में संगठन का विस्तार होगा।स्थानीय सहयोगियों की खोजऔर नए मुद्दों के साथ चुनावी रणनीति सुगठित हो सकती है। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का मनोबल कमजोर हुआ है।जिसका सीधा फायदा एनडीए को मिलेगा। बिहार में विपक्ष की हार का देशव्यापी प्रभाव होगा। इससे विपक्ष की एकजुटता कमजोर होगी। क्षेत्रीय दलों का आत्मविश्वास डगमगाएगा। भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त स्थिति में आएगी। 2026 के चुनावों में भाजपा का जनाधार बढ़ने की संभावनाहै। बिहार की जीत भाजपा को एक बड़ी कथा देती है।स्थिरता, सुशासन, विकास और अनुभव का गठजोड़।यह कथा 2026 के चुनावों में भाजपा के लिए उपयोगी होगी। साथ ही मोदी-शाह नेतृत्व का अभियान केंद्र-राज्य सहयोग मॉडल और नई आर्थिक और सामाजिक योजनाएँ फलीभूत होगी। इन राज्यों में भाजपा के जनाधार को विस्तार दे सकती हैं। उम्मीदें, चुनौतियाँ और भविष्य का बिहार पर नजरें गाढ़े हुए है।नीतीश कुमार का दसवीं बार मुख्यमंत्री बनना केवल किसी एक नेता की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बिहार की राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक भी है। भाजपा-जदयू गठबंधन की यह जीत बिहार के लिए विकास, स्थिर राजनीतिक वातावरण और मजबूत प्रशासन का संकेत देती है। लेकिन इसके साथ ही आर्थिक संतुलन, रोजगार, शिक्षा सुधार, स्वास्थ्य क्षेत्र और कानून-व्यवस्था जैसी बड़ी चुनौतियों को भी गंभीरता से सुलझाना होगा।बिहार का यह चुनाव परिणाम अब केवल राज्य की राजनीति तक सीमित नहीं है।

वैश्विक नेतृत्व अब किसी एक महाशक्ति के हाथ में नहीं

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का प्रमुख मंच जी-20 इस वर्ष एक ऐसे दौर में बैठक कर रहा है,जब वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पहले से कहीं अधिक जटिल, बहुस्तरीय और अनिश्चितता से घिरा हुआ है। 21 से 23 नवंबर 2025 तक दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित होने वाला यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है,जब जलवायु परिवर्तन,ऊर्जा संक्रमण, वैश्विक मंदी का खतरा, तकनीकी प्रभुत्व की जंग और भू-राजनीतिक अविश्वास जैसे मुद्दे विश्व व्यवस्था को पूर्णतः पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। भारत की ओर से माननीय पीएम की उपस्थिति न सिर्फ औपचारिकता है, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और एक उभरती हुई निर्णायक शक्ति के रूप में उसकी अनिवार्य भूमिका को रेखांकित करती है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के इस संवेदनशील मोड़ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सम्मेलन का बहिष्कार करना वैश्विक शक्ति संरचना और सामूहिक सहयोग की भावना पर गहरा प्रभाव डालता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वस्तुतः 2025 का यह सम्मेलन केवल जी-20 एजेंडा का नहीं, बल्कि विश्व प्रणाली में हो रहे बड़े परिवर्तन का प्रतीक बन चुका है और इस परिवर्तन के केंद्र में भारत अभूतपूर्व रूप से उभर रहा है। बहरहाल, जोहानिसबर्ग का यह शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका के लिए कूटनीतिक कसौटी है उसे अमेरिकी अनुपस्थिति की चुनौती के बीच सम्मेलन को सफलता पूर्वक संपन्न करना है। वहीं भारत के लिए यह अवसर है अपने नेतृत्व की निरंतरता दिखाने का। जब ट्रंप वैश्विक सहयोग से दूरी बना रहे हैं, तब मोदी उसी सहयोग को एक नई दिशा देने जा रहे हैं।यही विरोधाभास आज के वैश्विक परिदृश्य का सार भी है। इसलिए जोहानिसबर्ग का सम्मेलन केवल जी-20 का आयोजन नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था के पुनसंर्तुलन का प्रतीक है और इस पुनसंर्तुलन में भारत की भूमिका न केवल केंद्रीय है,बल्कि प्रेरक भी। साथियों बात अगर हम जी-20 सम्मेलन में अमेरिका की अनुपस्थिति और वैश्विक बहुपक्षवाद की चुनौती को समझने की करें तो, जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन का सबसे विवादास्पद और महत्वपूर्ण पहलू है, अमेरिका का स्पष्ट बहिष्कार। ट्रंप प्रशासन द्वारा दक्षिण अफ्रीका पर लगाए गए आरोपों और अमेरिका फर्स्ट नीति को आगे बढ़ाते हुए इस मंच से दूरी बनाना उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें चरणबद्ध ढंग से अमेरिका अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, वैश्विक समूहों और बहुपक्षीय समझौतों से खुद को अलग कर रहा है।ट्रंप की यह नीति केवल कूटनीति नहीं, बल्कि एक विचारधारा है जो वैश्विक सहयोग को अमेरिका के राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध मानती है। इसके परिणामस्वरूप,जी-20 की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ रहे हैं (1) वैश्विक आर्थिक सहयोग कमजोर हो रहा है (2) वैश्विक दक्षिण के उभार का मार्ग और स्पष्ट हो रहा है (3) अमेरिका की नैतिक और नेतृत्वकारी भूमिका कमजोर पड़ रही है,सबसे गंभीर आरोप यह है कि अमेरिका अन्य सदस्य देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे जी-20 घोषणा- पत्र पर हस्ताक्षर न करें। यदि ऐसा होता है, तो यह जी- 20 की सामूहिकता विश्वास और कूटनीतिक शक्ति को गहराई से कमजोर कर देगा। इससे 2026 में अमेरिका की जी-20 अध्यक्षता भी सवालों के घेरे में आ सकती है, क्योंकि एक नेतृत्वकर्ता की नैतिक स्थिति उसी समय मजबूत होती है जब वह सहयोग की संस्कृति में विश्वास रखता हो। साथियों बात अगर हम 20 वें जी20 सम्मेलन के मेजबान दक्षिण अफ्रीका के सामने कूटनीतिक परीक्षा, नेतृत्व का प्रश्न खड़ा हुआ है इसको समझने की करें तो, दक्षिण अफ्रीका के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती है अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद सम्मेलन को सफल बनाना, और जी-20 के भीतर नेतृत्व की निरंतरता को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाना। परंपरा के अनुसार, सम्मेलन के समापन पर जी- 20 की अध्यक्षता का बैटन अगले मेजबान देश को सौंपा जाता है।लेकिन जब अमेरिका स्वयं बैठक में मौजूद ही नहीं, तो यह प्रश्न गंभीर है किः (1) दक्षिण अफ्रीका अमेरिकी प्रतिनिधि को बैटन सौंपे या (2) किसी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत किसी विशेष देश को यह जिम्मेदारी दे, यह स्थिति जी-20 के इतिहास में लगभग अभूतपूर्व है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि वैश्विक शक्ति-संतुलन अब पूर्ववत नहीं रहा, पश्चिमी दुनिया की केंद्रीयता कमजोर हो रही है और वैश्विक दक्षिण की भूमिका निर्णायक बनती जा रही है।दक्षिण अफ्रीका इस सम्मेलन के माध्यम से दुनियाँ को यह संदेश देना चाहता है कि एक विकसित न होने वाला देश भी वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक विमर्शों को नेतृत्व दे सकता है।अमेरिकी दबाव, राजनीतिक ध्रुवीकरण और आंतरिक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद इस सम्मेलन को सफल बनाना उसके लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी।

साथियों बात अगर हम भारत के लिए यह अवसर वैश्विक नेतृत्व का स्वर्णिम क्षण होगा इसको समझने की करें तो, अमेरिका की अनुपस्थिति ने भारत के लिए एक अप्रत्याशित लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर तैयार कर दिया है।भारत पहले ही 2023 में जी- 20 की मेजबानी कर-के अपनी कूटनीतिक क्षमता, संवाद कौशल और वैश्विक नेतृत्व की शक्ति का प्रदर्शन कर चुका है। एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र दुनिया में नई सोच और नए सहयोग का आधार बन चुका है।2025 के जोहान्सबर्ग सम्मेलन में भारत इन कारणों से केंद्रीय भूमिका निभा सकता है (1) वैश्विक दक्षिण का स्वाभाविक नेता (2) अमेरिका और वैश्विक दक्षिण के बीच पुल का कार्य (3) वैश्विक ऊर्जा और तकनीकी बहसों में निर्णायक आवाज (4) जलवायु न्याय और विकासशील देशों की मांगों को मंच प्रदान करना (5) वैश्विक व्यापार में स्थिरता का प्रस्ताव,भारत का नेतृत्व आज इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि वह शक्ति संतुलन की राजनीति नहीं, बल्कि सहयोग और समावेशन की राजनीति को प्राथमिकता देता है।

शिक्षक और सड़क दोनों मंजिल तक पहुंचाने के कारगर सेतु

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे, जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति, मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व खजाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं,कि अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म जबूत ढाल का काम कर सकते हैं !वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,इसपर कुछ बातों को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे, साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के ज़िन्दगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के जरिये व्यक्ति ,समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने ज़िन्दगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मजबूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। ज़िन्दगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूपी हाथों से एक मजबूत आकार प्रदान करता है। शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है। शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टरकोई इंजीनियर ,कोई वकील , सीए, पायलट ,सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे ।शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है। कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं। तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आपका कारोबार अच्छा चलेगा और पार्ट टाइम कार्य करने का भी समय मिलेगा।	तुला	कुछ परेशानियां खड़ी होती दिख रही हैं। भीड़ आपके सामने खड़ी हो सकती है।
वृषभ	कार्यों में शामिल होने का असर मिलेगा। मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा हो सकती है।	वृश्चिक	मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें।
मिथुन	आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे।	धनु	किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। अतीत के संदर्भ में अनुसंधान का फायदा भी मिल सकता है।
कर्क	भाई-बहन की देखभाल में बीतेगा। परिवार को लेकर अपनी जिम्मेदारियों की पूर्ति करते नजर आएंगे।	मकर	आज सामाजिक, धार्मिक कामों में भाग लेने से आपका सम्मान बढ़ेगा।
सिंह	कारोबार में परेशानियां आ सकती हैं। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय में उतार-चढ़ाव से चिंता बनी रहेगी।	कुंभ	आज उच्चाधिकारियों की घनिष्ठता से लाभ उठाने का सुअवसर आज दिन भर बना रहेगा।
कन्या	आज आपकी राशि का स्वामी तृतीय घर में आ चुका है और मंगल के साथ पापाक्रान्त है।	मीन	आपकी राशि के स्वामी-देव गुरु बृहस्पति ज्ञान विज्ञान का भण्डार है। क्षेत्र में कई मार्ग खुलेंगे।

विशेष

नेता प्रतिपक्ष बनने की होड़

तेजस्वी यादव की पार्टी को बिहार विधानसभा चुनाव में मात्र 25 सीटें बिहार विधानसभा चुनाव में प्राप्त हुई है। विधानसभा की कुल सीटों की संख्या के आधार पर नेता प्रतिपक्ष का पद उन्हें मिलना ही है। इसके बाद भी वह जल्दबाजी कर रहे हैं। तीन दिन के अंदर वह विधायक दल के नेता बन गए। उनकी ओर से कहा गया, स्पीकर के चुनाव हो जाने के तुरंत बाद वह नेता प्रतिपक्ष का दावा करेंगे। तेजस्वी यादव को ऐसा क्या खतरा है। जो वह जल्दबाजी कर रहे हैं। इसको लेकर तरह-तरह की चचाएँ राजनीतिक हल्का में शुरू हो गई हैं।

पीएम मोदी हुए रवाना तो याद आया विपक्ष का तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 समिट में हिस्सा लेने साउथ अफ्रीका के लिए रवाना हुए तो याद आया विपक्ष का वह तंज जिसमें कहा गया था कि टंप नहीं जा रहे, इसलिए पीएम मोदी जरुर जाएंगे। पीएम मोदी के रवाना होते ही यह बात साबित भी हो गई। जोहांसबर्ग में होने वाले जी20 सम्मेलन में पीएम मोदी हिस्सा लेंगे। इससे इतर भी पीएम मोदी एक अहम फोरम इब्सा (आईबीएसए) की बैठक में भी हिस्सा लेने वाले हैं। इब्सा मतलब इंडिया, ब्राजील और साउथ अफ्रीका। जी हां, यह भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के बीच सहयोग बढ़ाने का एक अहम मंच है। ऐसे में विपक्ष चाहे जो कहे, लेकिन इन देशों से आर्थक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करना भी जरुरी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1892: बेल्जियम ने ऊपरी कांगो में विद्रोह का दमन किया। 1943: ब्रिटेन अमरीका और चीन ने जापान को हराने के लिए एक रणनीति पर विचार किया। 1947: ईरान की संसद ने सोवियत संघ के साथ हुए तेल समझौते को रद्द कर दिया। 1963: अमरीकी राष्ट्रपति जान.एफ. केनेडी की हत्या कर दी गई। 1972: अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने चीन यात्रा पर लगे 22 वर्ष पुराने प्रतिबंध को उठा लिया। 1974: राष्ट्र संघ महासभा ने फलीस्तीन मुक्ति संगठन को प्रेक्षक का दर्जा दिया। 1977: लंबे समय तक विवाद के बाद कांकार्ड विमानों ने न्यूयार्क तक उड़ान शुरू की। 1986: ईरानी प्रक्षेपास्त्र के हमले से बगदाद में अनेक लोग हताहत हुए। 1987: उत्तरी श्रीलंका में तमिल विद्रोहियों पर 48 घंटे का संघर्ष विराम तोड़ने और भारतीय शांति सेना पर हमले का आरोप श्रीलंका सरकार ने लगाया।

दैनिक पंचांग

22 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	वृश्चिक में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	08.12 बजे से
मकर	10.17 बजे से
कुंभ	12.04 बजे से
मीन	13.36 बजे से
मेष	15.07 बजे से
वृष	16.47 बजे से
मिथुन	18.45 बजे से
कर्क	20.59 बजे से
सिंह	23.15 बजे से
कन्या	01.27 बजे से
तुला	03.37 बजे से
वृश्चिक	05.52 ब.से

शनिवार 2025 वर्ष का 326 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 17.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 16.47 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 11.30 बजे को समाप्त।
करण कौलव 17.12 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 08'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872536
जूलियन दिन 2461001.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 30
विशेष चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51 से	10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46 से	01.14	बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42	बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10	बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10 से	05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

दो दिन ठंड से राहत, 23 से फिर बढ़ेगी सर्दी, आसमान रहेगा साफ

रांची, एजेंसी। झारखंडवासियों को दो दिन ठंड से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। 21 और 22 नवंबर तक न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इससे लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। हालांकि इसके बाद न्यूनतम तापमान में फिर से कमी आ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 23 नवंबर से मौसम में बदलाव होने के संकेत है। सुबह में कोहरा धुंध छा सकता है जबकि इस दौरान आसमान में बादल भी रह सकते हैं। उत्तर भारत में बर्फबारी के कारण 3 दिन बाद झारखंड में भी ठंडी हवा चल सकती है। 26 और 27 नवंबर को न्यूनतम तापमान में कमी होने की संभावना है।

सुबह में रहेगा हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा- इधर, मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा और बाद में आसमान मुख्यत साफ रहेगा। ऐसा ही मौसम शनिवार को भी रहेगा। हालांकि 23 नवंबर को सुबह में कोहरा या धुंध और बाद में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं।

कैसा रहा पिछले 24 घंटे में मौसम- पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया।

रात में ठंड बढ़ने के हैं संकेत- मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने झारखंड के सभी जिलों के लिए पांच दिनों का तापमान पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 19 से 23 नवंबर के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। हालांकि, अधिकतर जिलों में दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक बना रहेगा, जबकि रात में ठंड बढ़ने के संकेत हैं। देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री तक रहने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान 15 से 19 डिग्री के बीच दर्ज होगा। दुमका और जामताड़ा जैसे क्षेत्रों में रात का तापमान 15-17 डिग्री सेल्सियस तक रहने के संकेत हैं।

हाइवा के नीचे आधे घंटे तक फंसा रहा बाइक सवार :सरायकेला में अमलगम रोड पर हुआ हादसा

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला जिले के कांड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमलगम रोड पर शुक्रवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में अमलगम स्टील प्लांट का एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार हाइवा ने ड्यूटी जा रहे कर्मचारी सुभाष प्रमाणिक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुभाष प्रमाणिक अपनी मोटरसाइकिल समेत हाइवा के नीचे फंस गए और लगभग आधे घंटे तक वहीं दबे रहे। हाइवा उन्हें करीब 30 फीट तक घसीटता हुआ ले गया।

सुभाष को हाइवा के नीचे से बाहर निकाला गया- घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के विरोध के बाद अमलगम स्टील प्लांट प्रबंधन ने लगभग आधे घंटे बाद एक लोडर भेजा, जिसकी मदद से सुभाष को हाइवा के नीचे से बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत जमशेदपुर के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

यहां लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है: ग्रामीण हादसे के करीब एक घंटे बाद भी ग्रामीण घटनास्थल पर मौजूद रहे और प्लांट प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। ग्रामीणों का कहना है कि दुर्घटनास्थल वाली सड़क काफी संकरी है और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण यहां लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि दुर्घटनास्थल वाली सड़क का चौड़ीकरण किया जाए और मेन रोड से कंपनी गेट तक ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारा जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

गिरिडीह में जमीन विवाद पर हवाई फायरिंग:दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग जुटे

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के कारोडीह-धरचांची में गुरुवार को जमीन विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। विवादित भूमि पर घेराबंदी को लेकर पहुंचे एक पक्ष और इसका विरोध कर रहे दूसरे पक्ष के समर्थकों के बीच झड़प इतनी बढ़ गई कि दबंगों ने हवाई फायरिंग कर दी।

फायरिंग की आवाज से इलाके में अफरातफरी मच गई और ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही जमुआ थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाते हुए तनाव को शांत करने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि उपद्रव फैलाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इलाके में पुलिस बल कैंप कर रही है। इस मामले मे जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार ने कहा कि जमीन विवाद को लेकर मारपीट की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर भेजी गई थी। दोनों पक्षों को समझाकर शांत किया गया है। गोली चली है। पेट्रोल बम भी फोड़ा गया है। घटनास्थल से दो खोखा भी बरामद किए गए हैं। गोली किसने चलाई, इसकी जांच की जा रही है।

छह दुकान व गोदाम में लगी आग, 35 से 40 लाख का नुकसान

जमशेदपुर , एजेंसी। सिदगोड़ा थाना अंतर्गत बाजार में बुधवार की देर रात जेनरल स्टोर और आलू ब्याज की तीन दुकान और तीन गोदाम में आग लग गयी. आग लगने से दुकान व गोदाम का सारा सामान जलकर राख हो गया. इसके अलावा आलू दुकान में रखे 70 हजार रुपये नगद भी जल गये. आग लगने की जानकारी मिलने पर दुकानदार पहुंचे. लेकिन तब तक आग फैल चुकी थी. सूचना मिलने पर झारखंड अग्निशमन की दो दमकल पहुंची. दमकलकर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. आग भुइयांडीह कल्याण नगर निवासी रजनीश प्रसाद के दीना जेनरल स्टोर दुकान व दो गोदाम के अलावा बागुनहातु निवासी राजू राव की आलू-प्याज की दुकान व गोदाम समेत मानगो डिमना रोड निवासी अजीत चंद्रा के आलू-प्याज की दुकान में लगी है. आग लगने से दुकानदारों का 35 से 40 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ है. सबसे ज्यादा नुकसान रजनीश प्रसाद को हुई है. उनका दुकान और दो गोदाम पूरी तरह जल गया. नजारा देख रजनीश प्रसाद की आंखों से आंसू छलक गये. सूचना मिलने पर सिदगोड़ा थाना की पुलिस भी पहुंची. इस मामले में पीड़ित दुकानदारों ने सिदगोड़ा थाना में मंगल पांडेय के भाई के खिलाफ लिखित शिकायत की है. दुकानदारों ने मुआवजा की मांग भी की है. इसके अलावा आग लगाने वाले झंटू के खिलाफ

सख्त कार्रवाई की मांग की है. अगलगी की इस घटना से दुकानदार में आक्रोश व्याप्त है. रजनीश प्रसाद ने बताया कि 10 नंबर बस्ती कृष्णा रोड निवासी मंगल पांडेय का भाई झंटू बुधवार की सुबह करीब 10:30 बजे उधार में राशन का सामान लेने आया था. उसके भाई मंगल पांडेय ने उधार देने से मना किया था. इस कारण मैंने उधार नहीं दिया. पुनः शाम करीब 5:30 बजे वह राशन का सामान लेने आया, तो मैंने देने से इनकार कर दिया. जिसके बाद झंटू गाली-गलौज करने लगा. उसने दुकान में आग लगाने की धमकी भी दी. लेकिन क्या पता था कि वह सच में दुकान में आग लगा देगा. रजनीश प्रसाद ने कहा कि अगर झंटू को बदला लेना था, तो मेरे साथ कुछ करता. उसने तो मेरे परिवार को सड़क पर ला दिया. मेरे तीन बच्चे हैं. दुकान ही एकमात्र सहारा था. आग लगने से 30 से 35 लाख रुपये का नुकसान हुआ है. अब क्या और कैसे होगा यह पता नहीं. आलू-प्याज के होलसेलर बागुनहातु निवासी राजू राव के बेटे शंकर राव ने बताया कि दुकान में हमने महाजन को देने के लिये 70 हजार रुपये रखे थे. सारे रुपये जल गये. इसके अलावा गोदाम में रखे आलू-प्याज, लहसुन समेत अन्य सामान भी जलकर राख हो गये. वहीं, दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा, डीवीआर, फ्रीज समेत अन्य सामान भी जल गये. करीब पांच से छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है. इसके अलावा अजीत चंद्रा की दुकान में भी आग लगने से करीब 10 हजार रुपये का नुकसान हुआ है. धंधा को फिर से शुरू कैसे करें, इसकी समस्या आ गयी है।

गिरिडीह में 22 हाथियों के झुंड का विचरण, फसलों को नुकसान, लोगों के मन में बैठा डर

गिरिडीह, एजेंसी। हाथियों का झुंड गिरिडीह में डेरा डाले हुए हैं. झुंड में शामिल हाथी कभी शहरी इलाके में पहुंच रहे हैं तो कभी जिले के दूसरे इलाके में. गुरुवार को हाथियों का झुंड, देवरी के मदनाडीह पहुंचा. यहां फसलों को नुकसान हुआ है. हाथी यहां पास के जंगल में डेरा डाले हुए है. ऐसे में लोग भयभीत हैं. दूसरी तरफ वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई है और लोगों को सावधान रहने के साथ साथ हाथियों से दूरी बनाने की अपील कर रही है. वन विभाग की टीम, हाथियों को सुरक्षित निकालने की कोशिश कर रही है.

शहर में मचाया था उत्पात : इससे पहले मंगलवार रात को भी 22 हाथियों का झुंड गिरिडीह शहर से सटे तेलोडीह पहुंचा था. यहां काफी तोड़फोड़ की थी. हाथियों का झुंड अनाज को चट कर गया था. उस दौरान भगदड़ की स्थिति रही थी. हाथी यहां हाइवे पर दौड़ते दिखे थे. इस घटना के बाद हाथी देवरी पहुंच गए. बताया गया है कि हाथियों के साथ एक बच्चा भी है. बच्चे की सुरक्षा को लेकर हाथी ज्यादा सतर्क दिख रहे हैं.

पकी हुई फसलों की मौज लेने पहुंचा हाथियों का झुंड : बता दें कि हर साल हाथियों का झुंड अक्टूबर- नवंबर के बाच पहुंचता है. चूंकि यह मौसम धान की फसल के पकने का होता है, ऐसे में हाथी इस फसल को भी नुकसान पहुंचाते हैं. वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथियों का कॉरिडोर बनना चाहिए ताकि जान माल का नुकसान नहीं हो. देवरी प्रखंड में हाथियों के झुंड के पहुंचते ही वन विभाग के कर्मी भी वहां पहुंच गए हैं.

बीबीएमकेयू का दूसरा दीक्षांत समारोह न्यू टाउन हॉल में होगा

धनबाद, एजेंसी। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) का दूसरा दीक्षांत समारोह न्यू टाउन हॉल में होगा. गुरुवार को विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने टाउन हॉल का निरीक्षण किया और आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन किया. दीक्षांत समारोह को लेकर विश्वविद्यालय में तैयारी चल रही है. 18 नवंबर को हुई सिंडिकेट की बैठक में निर्णय लिया गया था कि दूसरा दीक्षांत समारोह दिसंबर में आयोजित किया जायेगा. विवि प्रशासन के अनुसार समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गयी है. समारोह में सत्र 2021-22 और 2022-23 में स्नातक (यूजी), बीएड, एमएड, एलएलबी, एमबीबीएस सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को उपाधि दी जायेगी. समारोह में डिग्री प्राप्त करने के लिए लगभग 1150 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है. समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि होंगे.

इडी के निरीक्षण से पहले अधीक्षक ने लिया अस्पताल का जायजा, वार्डों में गंदगी देख एजेंसी को लगायी फटकार

धनबाद, एजेंसी। झारखंड राज्य आरोग्य सोसाइटी के कार्यकारी निदेशक (इडी) अबू इमरान के 21 नवंबर को प्रस्तावित एसएनएमएमसीएच के निरीक्षण को लेकर अस्पताल प्रबंधन हरकत में आ गया है. गुरुवार को अस्पताल अधीक्षक सह प्रभारी प्राचार्य डॉ डीके गिंदौरिया ने विभिन्न वार्डों, इमरजेंसी और महत्वपूर्ण यूनिट का जायजा लिया. इस दौरान अस्पताल के कई वार्डों और गलियारे में गंदगी और धूल-मिट्टी जमा देख डॉ गिंदौरिया नाराज दिखे. उन्होंने सफाई एजेंसी के कर्मियों को फटकार लगाते हुए तुरंत सफाई कराने का निर्देश दिया. अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि मरीजों की सुविधा और संक्रमण नियंत्रण के लिए साफ-सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी. उन्होंने एजेंसी के सुपरवाइजरों को निर्देश दिया कि वार्डों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जो और निरीक्षण तक सभी संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जायें.

वार्डों की टूटी खिड़कियां व अन्य सामानों को बदलने का काम शुरू

डॉ गिंदौरिया ने अस्पताल की क्षतिग्रस्त खिड़कियां, टूटे शीशे और खराब फ्रेम को विभाग के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से मरम्मत कराने का आदेश दिया. निर्देश के बाद कई वार्डों में खिड़कियों को दुरुस्त करने और पुराने शीशे बदलने का काम शुरू कर दिया गया है. अधिकारियों के अनुसार इडी के दौरे से पूर्व अस्पताल की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर स्थिति में लाने का प्रयास किया जा रहा है.

अधीक्षक ने इमरजेंसी वार्ड से लेकर मेडिसिन, सर्जरी, पीडियाट्रिक, स्त्री रोग समेत सभी प्रमुख वार्डों का निरीक्षण किया. उन्होंने दवा की उपलब्धता, बेड की स्थिति, साफ-सफाई और चिकित्सकों की उपलब्धता की जानकारी ली. कई वार्ड की दीवारों में पड़ी दरार, जर्जर फर्नीचर और अव्यवस्थित उपकरणों को देखकर उन्होंने विभागों को सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया.

सार्वजनिक स्थलों पर शराबखोरी पर कड़ी कार्रवाई, पुलिस ने 103 लोगों को पकड़ा

धनबाद, एजेंसी। एसएसपी के निर्देश पर गुरुवार की रात पुलिस ने कई इलाकों में दबिश दी. इस दौरान अड्डाबाजी करते, संदिग्ध रूप से घूमते और नशा करते 103 लोगों को पकड़ा गया.

धनबाद जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. इसी क्रम में एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर गुरुवार की शाम से देर रात तक जिले के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों में अड्डाबाजी और अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया. इस दौरान कई लोगों को पकड़ा गया.

अभियान के दौरान पुलिस टीम ने स्कूल परिसरों, सार्वजनिक पार्कों, सड़कों के किनारे, सुनसान जगहों,

बाजार क्षेत्रों के कोनों, खाली मैदानों और सामुदायिक भवनों के आस-पास विशेष रूप से दबिश दी. कई जगहों पर पुलिस के पहुंचते ही अफरा-तफरी मच गयी. थाना प्रभारी और ओपी प्रभारी स्वयं इलाके में घूम-घूमकर अभियान का जायजा लेते रहे.

अभियान के दौरान कुल 103 लोगों को अड्डाबाजी करते, संदिग्ध रूप से घूमते या शराब पीते हुए पकड़ा गया है. एसएसपी ने बताया कि अड्डाबाजी और सार्वजनिक स्थलों पर शराब के सेवन से अपराध की आशंका बढ़ जाती है. ऐसे ही जमावड़ों में कई बार अपराधी संगठित होकर किसी बड़ी वारदात की योजना भी बनाते हैं. पुलिस इन गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है.

एसएसपी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास किसी भी प्रकार की अड्डाबाजी, अवैध गतिविधि, नशाखोरी या संदिग्ध हलचल दिखाई ,दे तो तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचित करें. पुलिस तुरंत पहुंचकर कार्रवाई करेगी. सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी.

जेएनएसी ने साकची, कदमा सहित 6 क्षेत्रों में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) की इंफोर्समेंट टीम ने गुरुवार को शहर के छह प्रमुख क्षेत्रों साकची, गोलमुरी, बाराद्वारी, काशीडीह, कदमा और सोनारी में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. अभियान के चलते ही फुटपाथ पर कब्जा करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया. जेएनएसी के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार के निर्देश पर चलाये गये इस अभियान का उद्देश्य पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित और साफ-सुथरा फुटपाथ उपलब्ध कराना और शहर में सुगम यातायात सुनिश्चित करना था. टीम ने फुटपाथ, सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर किये गये सभी अवैध कब्जों को हटाया. इस दौरान कई स्थानों से ठेला, गुमटी, दुकानों के आगे रखे सामान को सड़क से पीछे कराया गया और अन्य बाधाओं को हटाकर आवागमन को सुगम बनाया गया. जेएनएसी की टीम ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी सख्त निर्देश दिया कि वे भविष्य में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करें. अन्यथा उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी. जेएनएसी के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा. ताकि शहर में स्वच्छ, व्यवस्थित और सुगम यातायात व्यवस्था बनी रहे. उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी है कि वे सड़क या फुटपाथ पर किसी भी हाल में कब्जा न करें।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का बदला नाम, पलामू से शुरू होगा सेवा अधिकार सप्ताह

पलामू, एजेंसी। 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' अभियान की शुरुआत 21 नवंबर से पलामू से होने वाली थी. अब इसकी जगह 'सेवा अधिकार सप्ताह' की शुरुआत की जाएगी.

सेवा अधिकार सप्ताह आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार अभियान की तरह ही कार्य करेगा. यह अभियान 21 नवंबर से 28 नवंबर तक चलाया जाएगा. झारखंड राज्य सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के तहत यह अभियान चलाया जाना है. आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम भी सेवा गारंटी अधिनियम के तहत चलाया जा रहा था.

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार अभियान की शुरुआत शुक्रवार से पलामू के लेस्लीगंज से होने वाली थी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अभियान की शुरुआत करने वाले थे, लेकिन गुरुवार को उनके कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है. उनकी जगह वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर इस अभियान की शुरुआत करेंगे.

बदला गया कार्यक्रम का नाम, पत्र जारी

गुरुवार की देर शाम अभियान का नाम बदलकर सेवा का अधिकार सप्ताह कर दिया गया. इस संबंध में झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने सभी अपर मुख्य सचिव, सरकार के सभी प्रधान सचिव, सरकार के सभी सचिव, सभी प्रमंडलीय आयुक्त और सभी उपायुक्त को पत्र लिखा है. पत्रांक संख्या 1404 के माध्यम से सेवा अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई है. 7 नवंबर को जारी आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार से संबंधित पत्र को संशोधित समझने की बात कही गई है. पलामू जिला प्रशासन ने सेवा अधिकार सप्ताह कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली है. लेस्लीगंज में आयोजित होने वाली इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मियों और पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

झारखंड में डकैतों का तांडव, कनपटी पर पिस्टल सटा शिक्षक दंपती को बनाया बंधक

4 घंटे तक घर में की लूटपाट

हैदरनगर (पलामू), एजेंसी। हैदरनगर थाना क्षेत्र के कुकही टोला मुगलजान में गुरुवार देर रात हुई भीषण डकैती ने पूरे गांव को दहला दिया है।

एक पखवाड़े से क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक वारदातों के बीच 15 की संख्या में आए डकैतों ने शिक्षक दंपती को चार घंटे तक बंधक बनाए रखा और घर में जमकर उत्पात मचाया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना हाल के वर्षों की सबसे भयावह डकैती है, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुगलजान निवासी मृत्युंजय मेहता (45 वर्ष), शिक्षक सरस्वती शिशु मंदिर जपला और उनकी पत्नी अनिता देवी, पैरा शिक्षिका, रात करीब 11 बजे सो चुके थे।

इसी दौरान मृत्युंजय मेहता शौच के लिए उठे तो छत पर कुछ लोगों की आहट मिली। नीचे लौटते ही उनका सामना एक डकैत से हो गया। हल्की हाथापाई हुई, तभी चार और डकैत घर में घुस आए और बाकी बाहर पहरा देते रहे। डकैत पिस्तौल, चाकू और लोहे की रॉड से लैस थे। उन्होंने शिक्षक दंपती की बेरहमी से पिटाई की, दहशत में डालने के लिए पिस्टल सटा दी और उन्हें बंधक बनाकर रख दिया। इसके बाद पूरा गिरोह घर के हर बक्से, बैग और अलमारी को खंगालता रहा। जेवरात, नकदी, मूल्यवान वस्त्र और अन्य सामान लूटकर अपने साथ ले गए।

चार घंटे तक घर के अंदर तांडव : डकैतों ने दंपती से बार-बार चाबी और नकदी की मांग की। इतना ही नहीं, घरवालों से खाना पकाने तक को कहा और करीब चार घंटे तक घर में तांडव मचाते रहे। पूरी घटना रात 11 बजे से शुक्रवार तड़के 3 बजे तक चलती रही। जाते-जाते डकैतों ने जान से मारने की धमकी दी।

घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल दंपती को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रशासन की सक्रियता पर सवाल

घटना की सूचना पर हैदरनगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। बाद में डीएसपी एस. मो. याकूब भी कुकही पहुंचे और पीड़ित दंपती से पूछताछ की। हालांकि ग्रामीणों में जबरदस्त नाराजगी है। लोगों का कहना है कि शिक्षक दंपती जैसे सामान्य परिवार को निशाना बनाए जाना क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता है। रातभर गिरोह का बेखौफ घूमना और चार घंटे तक घर में उत्पात मचाना पुलिस गश्ती पर भी सवाल उठाता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र गिरफ्तारी, रात्रि गश्ती बढ़ाने और क्षेत्र में अपराधियों की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

क्या रोजाना दे सकते हैं चंद्रमा को अर्घ्य?

सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर।

हिन्दू धर्म में अर्घ्य देना पूजा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है। सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। मुख्य रूप से सूर्य अर्घ्य को सबसे ज्यादा फलदायी और शुभ माना जाता है। इसके अलावा, चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर। वहीं, कई लोग रोजाना चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सूर्य अर्घ्य की तरह ही रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देना सही है या गलत और क्या है इसके पीछे का तर्क।

रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देने से क्या होगा?

- पौराणिक कथा के अनुसार, चंद्रमा कलंकित हैं क्योंकि उन्हें श्री गणेश का श्राप मिला हुआ है जिसके आधार पर कोई भी व्यक्ति चंद्रमा की पूजा करता है तो उसके घर से सुख-समृद्धि चली जाएगी और कलंक भी लगेगा।
- यूं तो श्राप के अनुसार किसी भी माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन चंद्रमा पूजन की मनाही है लेकिन रोजाना भी शास्त्रों में चंद्रमा की आराधना करना वर्जित माना गया है। अर्घ्य देना भी निषेध है।
- शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि कुछ प्रमुख तिथियों के अलावा जो पूजा-पाठ सूर्यास्त के बाद किया जाता है वह सात्विक नहीं बल्कि तांत्रिक श्रेणी में आता है।
  चंद्रमा को अर्घ्य भी रात के समय ही दिया जाता है।
- ऐसे में चंद्रमा को रोजाना रात में अर्घ्य देना पूजा-पाठ में दोष उत्पन्न करेगा और घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी बढ़ेगा। साथ ही, चंद्रमा की स्थिति भी कुंडली में मजबूत होने के बजाय कमजोर होती चली जाएगी।
- चंद्रमा को अर्घ्यन या चंद्रमा की पूजा करवा चौथ या अहोई अष्टमी जैसे व्रतों के दौरान ही शुभ मानी गई है। इसके अलावा, पूर्णिमा तिथि पर भी चंद्रमा को अर्घ्य दे सकते हैं। इस तिथि पर चंद्र अर्घ्य से घर में शुभता आती है।

क्या है खाटू श्याम का इतिहास

पहले हो गई मृत्यु, फिर बने भगवान

खाटू श्याम जी, जिन्हें हारे का सहारा और तीन बाण धारी के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्रीकृष्ण के कलयुग अवतार माने जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर कब और कैसे सृष्टि में शुरू हुई थी खाटू श्याम बाबा की पूजा।

बर्बरीक का जन्म और आरंभ का जीवन

खाटू श्याम जी का मूल नाम बर्बरीक था। वे पांडु पुत्र भीम और नाग कन्या हिडिम्बा के पौत्र थे। उनके पिता का नाम घटोत्कच था, जो अपनी मायावी शक्तियों के लिए जाने जाते थे। बर्बरीक बचपन से ही बहुत शक्तिशाली और वीर थे। उन्होंने अपनी माता मोरवी से युद्ध कला और भगवान शिव से अनेक अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान शिव ने उन्हें तीन ऐसे दिव्य बाण प्रदान किए थे, जिनसे वे तीनों लोकों को जीत सकते थे। इन बाणों की विशेषता यह थी कि वे एक ही बाण से किसी भी लक्ष्य को चिह्नित कर सकते थे, दूसरे बाण से उसे नष्ट कर सकते थे, और तीसरे बाण से उसे वापस अपने पास बुला सकते थे। इसी कारण उन्हें तीन बाण धारी भी कहा जाता है।

महाभारत युद्ध में बर्बरीक का प्रवेश

जब महाभारत का युद्ध निश्चित हुआ, तो बर्बरीक को भी अपनी वीरता दिखाने का अवसर मिला। वे अपनी माता मोरवी से आशीर्वाद लेकर युद्ध में शामिल होने के लिए निकल पड़े। उन्होंने अपनी माता को वचन दिया था कि वे युद्ध में हमेशा उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा। युद्धभूमि की ओर जाते हुए, बर्बरीक एक पीपल के पेड़ के नीचे बैठे भगवान श्रीकृष्ण से मिले, जो ब्राह्मण वेश में थे। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की वीरता का परीक्षण करने के लिए उनसे पूछा कि वे किस पक्ष से युद्ध लड़ेंगे। बर्बरीक ने अपनी माता को दिए वचन के अनुसार कहा कि वे उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की शक्तियों को जानते हुए सोचा कि यदि बर्बरीक ने यह वचन निभाया, तो युद्ध का परिणाम बदल सकता है। उन्होंने बर्बरीक से कहा कि यदि वे इतने शक्तिशाली हैं, तो क्या वे एक ही बाण से इस पीपल के पेड़ के सभी पत्तों को भेद सकते हैं? बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने एक बाण से पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया। एक पत्ता श्रीकृष्ण के पैर के नीचे छिपा हुआ था, जिसे भेदने के लिए बाण उनके पैर के पास रुका। यह देखकर श्रीकृष्ण को बर्बरीक की शक्ति और वचनबद्धता पर पूरा विश्वास हो गया।

शीश का दान और वरदान

श्रीकृष्ण ने तब बर्बरीक को अपने वास्तविक रूप में दर्शन दिए और उन्हें बताया कि युद्ध में विजय प्राप्त करने के लिए किसी महान योद्धा के शीश का दान आवश्यक है। उन्होंने बर्बरीक से उनके शीश का दान मांगा। बर्बरीक, जो अपने वचन के पक्के थे, ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपना शीश दान करने की सहमति दे दी। उन्होंने एक अंतिम इच्छा व्यक्त की कि वे महाभारत के पूरे युद्ध को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं।श्रीकृष्ण ने उनकी यह इच्छा पूरी की और उनके शीश को एक ऊँचे स्थान पर स्थापित कर दिया, जहाँ से बर्बरीक ने पूरे युद्ध को देखा। युद्ध समाप्त होने के बाद, पांडवों में यह बहस छिड़ गई कि युद्ध में विजय का श्रेय किसे जाता है। तब श्रीकृष्ण ने बर्बरीक के शीश से पूछा, जिस पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि उन्होंने युद्धभूमि में केवल श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र को शत्रुओं का संहार करते हुए देखा और द्रौपदी को शक्ति रूप में देखा। यह सुनकर सभी पांडव चकित रह गए।

श्रीकृष्ण बर्बरीक के इस महान त्याग और भक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने बर्बरीक को वरदान दिया कि कलयुग में वे उनके नाम से पूजे जाएंगे और जो भी भक्त हारे हुए या निराश होंगे, उनका सहारा बनेंगे। श्री कृष्ण ने कहा कि जो भी भक्त उनके नाम का स्मरण करेगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। इसके बाद, बर्बरीक का शीश राजस्थान के खाटू गांव में मिला, जहां एक मंदिर का निर्माण किया गया और वे खाटू श्याम जी के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज भी लाखों भक्त खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आते हैं और उन्हें हारे का सहारा मानते हैं। उनकी पूजा विशेष रूप से फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी और द्वादशी को की जाती है, जिसे श्याम बाबा का फाल्गुन मेला कहा जाता है।

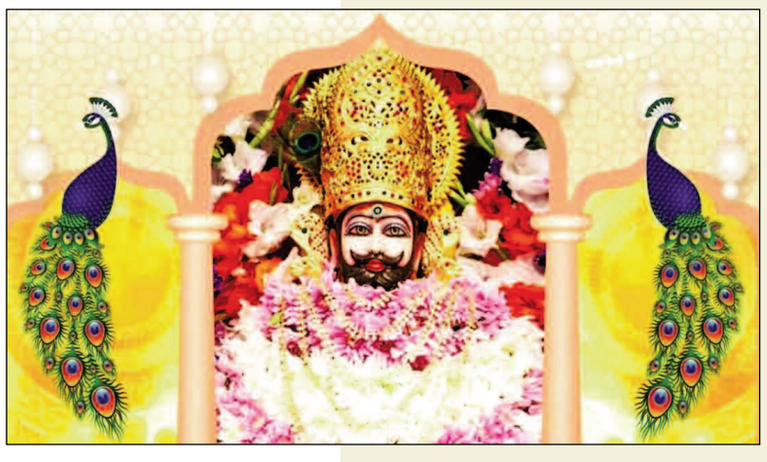

खाटू श्याम भगवान को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

पिछले कुछ समय से खाटू श्याम भगवान का नाम चारो तरफ छाया हुआ है। यहां तक की सोशल मीडिया पर भी खाटू श्याम के चमत्कार से जुड़े कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। खाटू श्याम जी का दर्शन करने के लिए न केवल आस-पास के गांवों बल्कि देशभर से लोग आते हैं। बता दें कि खाटू श्याम को हारे का सहारा भी कहा जाता है। पर, इसके पीछे की कहानी क्या है इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को है।

कौन हैं खाटू श्याम भगवान?

श्री कृष्ण के कलयुगी अवतार को ही खाटू श्याम के नाम से जाना जाता है। राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम का प्राचीन मंदिर बना है, जहां हर रोज लंबी-लंबी कतारों में लोग दर्शन करने पहुंचते हैं। दरअसल, माना जाता है कि जब पांडव अपनी जान बचाने के लिए वन में गए थे, तो भीम का सामना हिडिंबा से हुआ था। हिडिम्बा के पुत्र का नाम घटोखा रखा और घटोखा के पुत्र का नाम बर्बरीक है, जिन्हें आप आप खाटू श्याम के नाम से जानते हैं।

खाटू श्याम को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

खाटू श्याम भगवान को हारे का सहारा कहा जाता है क्योंकि वो अपनी मां को बोलकर गए थे कि युद्ध में जो भी हारेगा मैं उसके साथ दूंगा। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से कहा था कि एक तीर से पेड़ के सारे पत्ते गिराकर दिखाओ। ऐसा कहकर उन्होंने 1 पत्ता पैर के नीचे दबा लिया। इसके बाद तीर उनके पास आकर घूमने लग गया था। इससे सबको पता चला कि खाटू श्याम कितने शक्तिशाली हैं। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से उनका सिर मांगा था और उसे सबसे ऊपर रखकर युद्ध देखने के लिए कहा था। यही कारण है कि उन्होंने हारे का सहारा कहा जाता है।

गणेश जी ने अपनी ही मां देवी पार्वती को कौन सा वरदान दिया था?

भगवान गणेश जिन्हें विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य माना जाता है माता पार्वती के अत्यंत प्रिय और आज्ञाकारी पुत्र हैं। उनका जन्म माता पार्वती ने अपने शरीर के मैल और दिव्य शक्ति से किया था। मां और पुत्र का यह संबंध अत्यंत पवित्र और अनोखा है और इसमें ममता और भक्ति का गहरा भाव छिपा है। भगवान गणेश ने अपनी मां की आज्ञा का पालन करने के लिए अपना मस्तक भी कटवा दिया था जिसके बाद उन्हें हाथी का सिर लगाकर पुनर्जीवित किया गया और सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूजनीय होने का वरदान मिला। ऐसा कहा जाता है कि माता पार्वती ने श्री गणेश को एक मां के तौर पर सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान की और श्री गणेश ने भी एक पुत्र के तौर पर उन सभी शिक्षाओं को ग्रहण किया, लेकिन एक घटना ऐसी भी है जब श्री गणेश ने अपनी मां माता पार्वती को एक वरदान दिया था।

श्री गणेश ने माता पार्वती को क्या वरदान दिया था?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान गणेश ने अपनी माता देवी पार्वती को एक बहुत ही विशेष और महत्वपूर्ण वरदान दिया था। यह वरदान विशेष रूप से संकष्टी चतुर्थी के व्रत से संबंधित है जिसे माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, सुख और समृद्धि के लिए रखती हैं। जब माता पार्वती ने अपने पुत्र गणेश के लिए एक विशेष व्रत और पूजा की थी जिसे आज संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना जाता है, तब गणेश जी अपनी मां की भक्ति और प्रेम से अत्यंत प्रसन्न हुए थे। प्रसन्न होकर भगवान गणेश ने अपनी माता पार्वती को एक अत्यंत दिव्य वरदान दिया।

वरदान अनुसार, संसार की जो भी नारी इस संकष्टी चतुर्थी का व्रत और पूजन पूरी श्रद्धा और सच्चे मन से करेगी उसे श्री गणेश के भांति ही आज्ञाकारी, स्नेही, दीर्घायु और यशस्वी संतान की प्राप्ति होगी। साथ ही, माताओं पर हमेशा देवी पार्वती की असीम कृपा भी बनी रहेगी। इस वरदान के माध्यम से गणेश जी ने अपनी मां के मातृत्व सुख को संसार की सभी माताओं तक पहुंचाने का आशीष दिया। यह वरदान न केवल संतान की प्राप्ति के लिए था बल्कि संतान के जीवन के सभी संकटों को हरने वाला भी था क्योंकि गणेश स्वयं विघ्नहर्ता हैं।

इसलिए, आज भी संकष्टी चतुर्थी के दिन माताएं श्री गणेश का व्रत करती हैं ताकि उन्हें और उनकी संतान को गणेश जी जैसा सुख, सौभाग्य और सभी प्रकार के विघ्नों से मुक्ति प्राप्त हो सके। यह वरदान माता पार्वती को पुत्र-प्रेम की पराकाष्ठा के रूप में मिला प्राप्त हुआ था।

सुख-समृद्धि के लिए घर की रसोई में जरूर करने चाहिए ये काम

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है। ऐसे में अगर घर की रसोई से जुड़े कुछ उपाय किये जाएं तो घर में सुख-समृद्धि आती है और घर में मौजूद नकारात्मकता भी दूर हो जाती है। इसके अलावा, और भी कई लाभ मिलते हैं।

घर की रसोई में करें मां अन्नपूर्णा की स्थापना

घर की रसोई में अनाज रखा जाता है और अनाज को सबसे ज्यादा पवित्र माना गया है। ऐसे में अनाज रखने की जगह पर मां अन्नपूर्णा की फोटो या प्रतिमा स्थापित करने से घर की बरकत हमेशा बनी रहती है और घर की उन्नति होती है।

रसोई को रोजाना धोएं

घर की रसोई को रोजाना पानी से धोना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे घर की रसोई की शुद्धता बनी रहती है। साथ ही, मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी मिलता है और घर की नकारात्मकता नष्ट होती है। सकारात्मकता संचारित होती है।

घर की रसोई की देहलीज रोजाना पूजे

घर की रसोई की दहलीज की रोजाना सुबह और शाम पूजा करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि रसोई की दहलीज में नवग्रहों का वास माना गया है। ऐसे में दहलीज की पूजा करने से नव ग्रह शांत होते हैं और अपनी कृपा घर पर बरसाते हैं।

घर की रसोई में रोजाना कपूर जलाएं

घर की रसोई में रोजाना संध्याकाल के समय कपूर अवश्य जलाना चाहिए। कपूर जलाकर उसका धुआं घर की रसोई में करने से घर का वातावरण पवित्र होता है और अगर रसोई से जुड़ा कोई वास्तु दोष है तो वह भी जल्दी ही दूर हों लग जाता है।

कृषि मंत्री बोले- बीमा योजना में जंगली जानवरों और जलभराव से होने वाला नुकसान भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब दो तरह के नुकसान भी कवर किए जाएंगे, जिनकी किसान लंबे समय से मांग कर रहे थे। जंगली जानवरों और जलभराव से बर्बाद हुई फसलों पर मिलेगा मुआवजा चौहान ने कहा कि अब जंगली जानवरों द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान पर भी मुआवजा मिलेगा। इसके साथ ही अत्यधिक बारिश से आई बाढ़ या जलभराव के कारण फसल को हुए नुकसान को भी योजना में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर जंगली जानवर फसल खराब करते हैं, तो उसका मुआवजा दिया जाएगा। अगर भारी बारिश से जलभराव होता है और फसल बर्बाद होती है, तो भी नुकसान की भरपाई की जाएगी।

एफएसएसएआई ने राज्यों को तुरंत बिक्री रोकने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बाजार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध भ्रामक 'इलेक्ट्रोलाइट पेय' और 'ओआरएस' नाम वाले उत्पादों की बिक्री तुरंत रोकी जाए। एफएसएसएआई ने आदेश दिया है कि ऐसे सभी उत्पाद- चाहे 'ओआरएस' एक एकल शब्द के रूप में प्रयोग हो या उपसर्ग/प्रत्यय के साथ संयुक्त रूप में- यदि वे भ्रामक या मेडिकल-ग्रेड ओआरएस के समान प्रस्तुत किए जा रहे हैं, तो उन्हें तुरंत बाजार से हटाया जाए। प्राधिकरण का कहना है कि कई कंपनियां अपने पेय पदार्थों को ओआरएस जैसा दिखाकर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही हैं, जबकि वास्तविक ओआरएस केवल चिकित्सकीय और वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप तैयार किया जाता है। इस कार्रवाई का उद्देश्य उपभोक्ताओं, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को, गलत दावों वाले पेय पदार्थों से होने वाले संभावित स्वास्थ्य जोखिमों से बचाना है। राज्य सरकारों से कहा गया है कि वे खुदरा दुकानों, सुपरमार्केट, ई-कॉमर्स साइटों और ऑनलाइन ग्रोसरी प्लेटफॉर्म पर ऐसी उत्पाद-लिस्टिंग और बिक्री पर तत्काल निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करें।

5 टुकड़ों में बंट जाएगा स्टॉक, 20 बार डिविडेंड दे चुकी है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान हो गया है। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि 10 दिसंबर से पहले ही रिकॉर्ड डेट की तारीख है। बता दें, कंपनी ने 2020 से अबतक निवेशकों को 20 बार डिविडेंड दिया है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड का रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025, दिन शुक्रवार है। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों का बंटवारा हो जाएगा। कंप्यूटर एज मैनेजमेंट के शेयर इसी महीने की 7 तारीख को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। कंपनी ने तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 14 रुपये का डिविडेंड दिया था। इससे पहले कंपनी के शेयर अगस्त के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब कंपनी ने हर एक शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड दिया था।

14 महीने के निचले स्तर पर कोर सेक्टर के आंकड़े, अक्टूबर में स्थिर रहा ग्रोथ

नई दिल्ली, एजेंसी।

कोर सेक्टर में एक बार फिर सुस्ती देखने को मिली है। सरकार की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अक्टूबर में स्थिर रही। यह 14 महीनों में इसका सबसे कमजोर प्रदर्शन था। आइए जान लेते हैं कि किस उद्योग में कितना ग्रोथ हुआ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक के अनुसार, कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, बिजली, उर्वरक और इस्पात में सितंबर में 3.3 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसके तहत कोयला उत्पादन में 8.5 प्रतिशत, बिजली उत्पादन में 7.6 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस उत्पादन में पांच प्रतिशत की गिरावट आई। अक्टूबर में कच्चे तेल का उत्पादन सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटा। वहीं, अक्टूबर में पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत, उर्वरक उत्पादन 7.4 प्रतिशत, इस्पात 6.7 प्रतिशत, सीमेंट 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। अक्टूबर में स्थिर वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की संचयी वृद्धि दर 2.5 प्रतिशत पर आ गई जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.3 प्रतिशत थी। आठ बुनियादी ढांचा उद्योगों का उत्पादन पिछले एक साल में पहली बार स्थिर रहा है। इस वृद्धि दर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)

बैंकों का एनपीए दूसरी तिमाही में घटकर 2.1 प्रतिशत

लोन देने की रफ्तार 11.7 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय सेहत और मजबूत होती दिख रही है। केयरएज रेटिंग्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंकों के गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का सकल एनपीए अनुपात घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गया है। यह पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.6 प्रतिशत था। इसमें बताया गया है कि बैंकों का सकल एनपीए 11.1 प्रतिशत सालाना गिरावट के साथ 4.05 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

रेटिंग एजेंसी ने बताया कि बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार मजबूत रिकवरी, उपयुक्त अपग्रेड, कम नई स्लिपेज, और पोर्टफोलियो की सफाई, जिसमें बड़े पैमाने पर राइट-ऑफ और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों (एआरसी) को बिक्री शामिल है।

इसके विपरीत, शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात लगातार तीसरी तिमाही में 0.5 प्रतिशत पर स्थिर रहा, जबकि वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में यह 0.6 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, नेट एनपीए में सालाना आधार पर 9.9 प्रतिशत गिरावट आई है, जिससे यह घटकर 0.88 लाख करोड़ रह गया।

तिमाही आधार पर भी सुधार जारी रहा। एससीबी के सकल एनपीए में 4.2 प्रतिशत और नेट एनपीए में 5.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह मुख्य रूप से कम स्लिपेज, प्रभावी रिकवरी, अपग्रेड, और एआरसी बिक्री के जरिए एनपीए समाधान में तेजी के कारण हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रेडिट ग्रोथ मजबूत बनी हुई है। दूसरी तिमाही

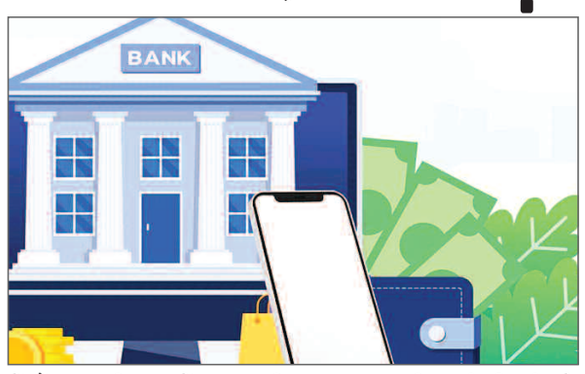

में बैंक ऋण वितरण में 11.7 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जो जमा वृद्धि के 9.7 प्रतिशत से तेज रही। उम्मीद है कि दूसरी छमाही में जमा संग्रह में सुधार होगा, हालांकि समग्र क्रेडिट ग्रोथ मध्यम स्तर पर बनी रह सकती है। परिसंपत्ति गुणवत्ता को लेकर एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि नियंत्रित स्लिपेज और जारी रिकवरी के चलते बैंकिंग सिस्टम मजबूत स्थिति में रहेगा। हालांकि रिपोर्ट ने चेतावनी भी दी है कि कम राशि वाले अनसिक्योर्ड पर्सनल लोन और माइक्रोफाइनेंस सेगमेंट में तनाव बरकरार है। इसके अलावा, अमेरिका की टैरिफ नीतियों, वैश्विक आर्थिक सुस्ती, और घरेलू नियामकीय बदलावों के संभावित असर से आने वाले महीनों में क्रेडिट विस्तार और परिसंपत्ति गुणवत्ता पर दबाव बढ़ सकता है।

ऑनलाइन खरीदारी...जितना मूल्य दिखेगा, वही चुकाना होगा

उपभोक्ता नहीं होंगे गुमराह

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन खरीदारी करने वालों के लिए बड़ी राहत देने वाली खबर है। अब उन्हें ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर जो मूल्य दिखेगा, उसी का भुगतान करना होगा, उनसे किसी तरह का हिडेन चार्ज नहीं लिया जाएगा और न ही भ्रामक विज्ञापनों के जरिये उन्हें गुमराह किया जाएगा।

जेप्टो, जोमैटो, स्विगी और जियोमार्ट समेत देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म के डार्क पैटर्न से मुक्त होने की घोषणा की है। सरकार ने इसे डिजिटल बाजार में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि ये घोषणाएं अन्य कंपनियों को भी इसी तरह के स्व-नियमन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

इन 26 ई-कॉमर्स मंच में फार्म इजी, जेप्टो मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट इंटरनेट, मिंत्रा डिजाइन्स, वॉलमार्ट इंडिया, मेकमायट्रिप (इंडिया), बिगबास्केट (इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स), जियोमार्ट (रिलायंस रिटेल),

जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, पेज इंडस्ट्रीज, विलियम पेन, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी (रिलायंस रिटेल लिमिटेड), ड्यूरोफ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और क्यूराडेन इंडिया शामिल हैं।

डार्क पैटर्न की पहचान के लिए ऑडिट कराया: इन 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने डार्क पैटर्न की किसी भी मौजूदगी की पहचान, आकलन और उन्मूलन के लिए आंतरिक रूप से स्वयं और अन्य पक्षों से ऑडिट कराए हैं। कंपनियों ने कहा है कि उनके मंच किसी भी तरह के छेड़छाड़ वाले यूजर इंटरफेस डिजाइन का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

ये हैं चिन्हित 13 डार्क पैटर्न

डार्क पैटर्न की रोकथाम और नियमन के लिए दिशानिर्देश, 2023, 30 नवंबर 2023 को अधिसूचित, 13 डार्क पैटर्न की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं। ये 13 डार्क पैटर्न हैं- फॉल्स अर्जेंसी, बास्केट स्नीकिंग, कनफर्म शैमिंग, फोर्स्ड एक्शन, सब्सक्रिप्शन ट्रैप, इंटरफेस इंटरफेयरेंस, बेट एंड स्विच, ड्रिप प्राइसिंग (हिडेन चार्ज), भ्रामक विज्ञापन, नैगिंग, ट्रिक वर्डिंग, सास बिलिंग और रफ मालवेयर।

क्या है डार्क पैटर्न: डार्क पैटर्न उपभोक्ताओं को गुमराह करने की ऑनलाइन तकनीक है। यूजर इंटरफेस को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि लोग अनजाने में उसी लिंक पर क्लिक कर दें, जिससे वे बचना चाहते हैं। सरकार ने 2023 में इसकी रोकथाम के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए थे। डार्क पैटर्न की रोकथाम व विनियमन के लिए दिशानिर्देश को 30 नवंबर 2023 को अधिसूचित किए गए था।

अडानी ग्रुप ने बेच दिया एडब्लूएल ,एग्री बिजिनेस में बचा हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के पोर्टफोलियो से एक कंपनी बाहर हो गई है। अडानी समूह ने ब्लॉक डील के जरिए एडब्लूएल एडब्लूएल बिजनेस (पहले का नाम अडानी विल्मर) में बचा हिस्सा भी बेच दिया है। आज इस खबर का असर भी कंपनी के शेयरों में देखने को मिल रहा है। कंपनी के शेयरों में 4 प्रतिशत की गिरावट आई है।

अडानी ग्रुप ने अपने बचे 7 प्रतिशत हिस्से को ब्लॉक डील के जरिए बेच गिया है। अडानी एंटरप्राइजेज की सब्सिडियरी कंपनी अडानी कमोडिटी एलएलपी ने यह ट्रांजैक्शन किया है। अडानी ग्रुप ने 275.50 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से यह डील की है। इस डील के जेफरिज को इंवेस्टमेंट बैंकर्स की जिम्मेदारी मिली थी। बता दें, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस खाद्य तेल बेचने वाली कंपनी है।

एडब्लूएल एग्री बिजनेस लि के शेयर बीएसई में 280.05 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन कुछ ही देर के बाद कंपन के शेयर 4 प्रतिशत की गिरावट सेथा 266.45 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया। कंपनी का इंट्रा-डे हाई बीएसई में 282.90 रुपये (11 बजे) था। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 337 रुपये और 52 वीक लो लेवल 231.55 रुपये है। इस कंपनी का मार्केट कैप 35175.80 करोड़ रुपये का है।

शेयर बाजार में एडब्लूएल ,एग्री बिजिनेस लि के शेयर संघर्ष ही कर रहे हैं। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 4 प्रतिशत की तेजी आई है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 4.53 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। एक साल में एडब्लूएल ,एग्री बिजिनेस लिके शेयरों की कीमतों में 8.10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। 3 साल में इस खाद्य तेल बेचने वाली कंपनी का शेयर 56 प्रतिशत टूटा है। एडब्लूएल एग्री बिजिनेस लि का नेट प्रॉफिट सितंबर तिमाही के दौरान 244.85 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 21 प्रतिशत लुढ़क चुका है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 311.02 करोड़ रुपये रहा था।

इलेक्ट्रिक तिपहिया बाजार में भारत दुनिया में अव्वल

57 फीसदी सिर्फ देश में ही बिके

नई दिल्ली, एजेंसी।
ब्राजील के बेलेम शहर में जारी कॉप 30 प्रोग्रेस अपडेट में ड्राइविंग प्रोग्रेस ऑन द जीरो-एमिशन व्हीकल ट्रांजिशन रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत अब न सिर्फ इलेक्ट्रिक तिपहिया बाजार में दुनिया का निर्विवाद लीडर बन गया है, बल्कि तेजी से बढ़ती नीतिगत पहल ने देश को वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र का सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में जितने भी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन दुनियाभर में बिके, उनमें से 57 फीसदी अकेले भारत में खरीदे गए।इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में भारत की वैश्विक हिस्सेदारी 6 फीसदी दर्ज की गई। एक्सेलरेटिंग टू जीरो कोएलिशन की ओर से तैयार और इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आईसीसीटी) के सहयोग से जारी रिपोर्ट में कहा गया है, स्वच्छ व

प्रदूषण-रहित परिवहन को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों ने भारत को दूसरा सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन बाजार बना दिया है। फेम और पीएम ई-ड्राइव जैसी योजनाओं ने इलेक्ट्रिक और पारंपरिक वाहनों की कीमतों के अंतर को कम किया, जिससे लास्टमाइल मोबिलिटी में निजी निवेश तेजी से बढ़ा। आईसीसीटी भारत के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित भट्ट के अनुसार, देश में बिकने वाले मोटर वाहनों में सबसे बड़ा हिस्सा दोपहिया और तिपहिया वाहनों का है।

तेजी से बढ़ेगा बाजार

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आगे की योजना इलेक्ट्रिक वाहन बाजार को तेज गति से विस्तार देने पर केंद्रित है। रणनीति का मुख्य फोकस दोपहिया एवं तिपहिया ईवी को बड़े पैमाने पर अपनाना, कंपनियों को अनुकूल माहौल मुहैया कराना और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 25 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया और 3.20 लाख रुपये ई-तिपहिया वाहनों की बिक्री को बढ़ावा के लिए दिया जाएगा,आंकड़ा नहीं, बल्कि परिवहन क्रांति का संकेत है। इलेक्ट्रिक तिपहिया में दुनिया का नंबर-1 बाजार, इलेक्ट्रिक दोपहिया में तेजी से उभरती ताकत, मजबूत नीतियां, निजी निवेश और तकनीक आधारित इको सिस्टम ये सभी संकेत बताते हैं कि आने वाले वर्षों में शून्य-उत्सर्जन परिवहन आंदोलन में भारत मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई जैसी बड़ी कंपनियों के नाम शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ हफ्ते से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में एनवीडिया की बढ़ती धाक चर्चा में है। शेयर बाजार में भी इस कंपनी को लेकर उत्साह दिखा जिसके फलस्वरूप निवेशकों ने मुनाफे की आस में लाखों-करोड़ों रुपये लगाए। हालांकि, अब एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। इसके मुताबिक ये एक पॉन्जी स्कीम है, जिसका भंडाफोड़ मशीन इंटेलिजेंस की मदद से हुआ है। अमेरिकी शोध में इसका खुलासा किए जाने का दावा सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 610 बिलियन डॉलर की इस धोखाधड़ी से एनवीडिया के अलावा ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऑरेकल जैसी बड़ी कंपनियों के नाम जुड़े हैं। शनाका एंस्लेम परेरा नाम के शख्स ने अपने वेरिफायड एक्स हैंडल पर विस्तार से इस वित्तीय धोखाधड़ी का ब्योरा पेश किया है। परेरा ने लिखा, 610 बिलियन डॉलर (करीब 54 लाख करोड़ रुपये) की एआई पॉन्जी स्कीम अचानक ढह गई।

बुरे हाल में अनिल अंबानी की कंपनियों के शेयर, 60 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए शेयरों के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों के बुरे हाल हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 60 पर्सेंट से ज्यादा तक टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर शुक्रवार को बीएसइ में गिरावट के साथ 165.30 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं, रिलायंस पावर के शेयर 40 रुपये से नीचे हैं। रिलायंस पावर के शेयर बीएसइ में गिरावट के साथ 39.14 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। अनिल अंबानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 60 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 27 जून 2025 को अपने 52 हफ्ते के हाई 425 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 21 नवंबर को बीएसइ में 165.30 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 45 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपये है। अनिल अंबानी ग्रुप की इस पावर कंपनी के शेयर 21 नवंबर को बीएसइ में 39.14 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं। ईडी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ी तो अंदाजा नहीं था कि होगी पैसों की ऐसी बारिश...सालाना 50 लाख कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्रिची (तमिलनाडु) के आर. नरसिम्मन की कहानी पारंपरिक कृषि धारणाओं को तोड़ती है। 1998 में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर उन्होंने कृषि-उद्यमिता की यात्रा शुरू की। इसकी शुरुआत बहुत छोटी थी। लेकिन, अब यह 158 एकड़ के ऑर्गेनिक एग्रोफॉरेस्ट्री इकोसिस्टम में बदल गई है। इससे नरसिम्मन की सालाना 40-50 लाख रुपये की कमाई होती है। मोनोकल्चर (केवल आम की खेती) की अस्थिरता से सबक लेते हुए उन्होंने थ्री-टियर मॉडल विकसित किया। यह बदलाव कमाल कर गया। आइए, यहां आर. नरसिम्मन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आर. नरसिम्मन ने 1998 में नौकरी छोड़कर खेती शुरू की थी। इसका शुरुआती लक्ष्य रिटायरमेंट के बाद शांतिपूर्ण जीवन जीना था। उन्होंने जल्दी ही अल्फांसो आम की खेती करके तेजी से विकास किया। हालांकि, असुरक्षित मौसम और बाजार के उतार-चढ़ाव जैसी मोनोकल्चर की कमजोरियों का अनुभव करने के बाद उन्होंने इंटीग्रेटेड एग्रोफॉरेस्ट्री मॉडल को अपनाया। यह मॉडल भूमि के हर हिस्से

का इस्तेमाल करता है। पहला स्तर सागौन, लाल चंदन और सिल्वर ओक जैसे लंबी अवधि के निवेश (15-20 वर्ष में करोड़ों का राजस्व) के लिए आरक्षित है। दूसरा स्तर आम, केला और तरबूज जैसी वार्षिक रिटर्न देने वाली फसलों के लिए है।

ऑर्गेनिक खेती अपनाने का मिला फायदा

नरसिम्मन ने 2008 में पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया। इसमें वह अपनी 16 देसी गायों के गोबर से बनी खाद का इस्तेमाल करते हैं। सौर ऊर्जा संचालित ड्रिप सिंचाई और एक 700 वर्ग फीट का सौर ड्रायर उनके खेत को टिकाऊ बनाता है। 2010 में उनके खेत में 35.75 किलो का रिकॉर्ड-तोड़ तरबूज उगा। इसे देखकर बीज फर्म नामधारी भी अचंभित रह गई। इस एक तरबूज को 5,000 रुपये में बेचा गया। इसने साबित किया कि जैविक गुणवत्ता स्थानीय बाजार में भी प्रीमियम मूल्य दिला सकती है। इस सफलता ने उन्हें राष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया। 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें किसानों की आय दोगुनी करने की नीति योजना में सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया, जहां उन्होंने सब्सिडी डिस्ट्रीब्यूशन से बिचौलियों को हटाने सहित 22 सुझाव दिए।

भारत-पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भिड़ेंगे

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से, फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद में हो सकता है

दुबई (एजेंसी)। अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जा सकता है। यहां पर 5 अक्टूबर को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच भी खेला गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार बीसीसीआई ने अपना प्रस्तावित शेड्यूल आईसीसी को भेज दिया है। आईसीसी जल्दी ही इसका ऐलान कर सकता है।

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से हो सकती है। जबकि, फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जा सकता है। सेमीफाइनल और फाइनल के वेन्यू का निर्धारण भारत-पाकिस्तान की स्थिति पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान की टीम फाइनल में नहीं पहुंचती है तो यह मुकाबला अहमदाबाद में होगा। पाकिस्तान के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने पर मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी या बीसीसीआई की ओर से शेड्यूल पर अबतक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप की डिफेंडिंग चैंपियन है। भारत ने साउथ अफ्रीका को फाइनल हराकर खिताब जीता था।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू शॉर्टलिस्ट

बीसीसीआई ने टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को शॉर्टलिस्ट किया है। श्रीलंका के तीन वेन्यू को भी चुना गया है। कोलंबो को इनमें से एक बताया जा रहा है।भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी टी-20 मैच 9 जून 2024 को वर्ल्ड कप में ही हुआ था। तब भारत ने 5 रन से करीबी मुकाबला जीता था।

कोलंबो में भारत और पाकिस्तान क्यों हो रहा है?

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई और पीसीबी के बीच यह सहमति बनी थी कि भविष्य में दोनों टीमें एक-दूसरे के देशों की यात्रा नहीं करेंगी, बल्कि अपने मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेंगी।

एशिया कप में तीन बार भिड़े भारत-पाकिस्तान

9 से 28 सितंबर के बीच आयोजित एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें 3 बार आपस में मैच खेल चुकी हैं। तीनों पर दफा भारतीय टीम को जीत मिली थी। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आपस में हाथ नहीं मिलाया था। रऊफ ने प्लेन गिराने का इशारा किया। जबकि, साहिबजादा फरहान ने गन सेलिब्रेशन किया। फाइनल जीतने के बाद भारतीय टीम ने पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। ऐसे में नकवी ने ट्रॉफी नहीं दी और टीम इंडिया को खाली हाथ लौटना पड़ा था।

भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 टाइटल जीते

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 2007 में हुई। भारत ने पहले एडिशन के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर टाइटल जीता था। इसके 17 साल बाद भारत ने 2024 में साउथ अफ्रीका को फाइनल हराया और दूसरी बार टाइटल जीता। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी 2-2 टाइटल जीते हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने 1-1 बार खिताब जीता है।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम घोषित

- केमार रोच की वापसी, ओजाय शील्ड्स को पहली बार मौका

एंटीगा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज केमार रोच की वापसी हुई है। रोच आखिरी बार इस साल जनवरी

में पाकिस्तान के मुल्तान टेस्ट में खेले थे। उनकी मौजूदगी टीम के अपेक्षाकृत अनुभवहीन पेस अटैक को मजबूती देगी। रोच ने आखिरी बार इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान टेस्ट में खेला था।

शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ अभी भी बाहर- टीम के दो प्रमुख तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ चोटों के कारण इस दौरे से बाहर हैं। उनकी गैरमौजूदगी में 85 टेस्ट खेल चुके रोच टीम के सबसे अनुभवी पेसर होंगे।

ओजाय शील्ड्स को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है- 29 साल के तेज गेंदबाज ओजाय शील्ड्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। शील्ड्स ने हाल ही में एंटीगा में आयोजित दो सप्ताह के हाई-परफॉर्मेंस कैंप में हिस्सा लिया था, जिसमें रोच समेत कई खिलाड़ी शामिल थे।

कावेम हॉग की भी वापसी- ऑलराउंडर कावेम हॉग की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने भी आखिरी टेस्ट मल्तान में ही खेला था। वहीं लेफ्ट-आर्म स्पिनर खारी पियरे को टीम से बाहर कर दिया गया है।

टी20 ट्राई-सीरीज

जिम्बाब्वे ने किया उलटफेर, टी20 विश्व कप जीत चुकी टीम को बड़े अंतर से हराया

रावलपिंडी (एजेंसी)। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस ने 4-0-9-3 के शानदार स्पेल और कप्तान सिकंदर रजा ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए टी20 विश्व कप जीत चुकी श्रीलंका पर 67 रन से बड़ी जीत दर्ज की। जिम्बाब्वे ने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में टी20 ट्राई-सीरीज में श्रीलंका को 95 रन पर ऑल आउट कर दिया और अपने 162/8 के टोटल का बचाव करते हुए जीत अपने नाम की।

यह टी20 फॉर्मेट में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के किसी फुल मेंबर पर जिम्बाब्वे की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ जिम्बाब्वे ने ट्राई-सीरीज टेबल में नेट रन-रेट पर दो पॉइंट्स (दो मैचों में) के साथ टॉप जगह बना ली है, जो पाकिस्तान के एक मैच में पॉइंट्स के बराबर है। यह इस इवेंट में श्रीलंका का पहला मैच था। इवांस और रिचर्ड नगारवा (2-15) की लीडरशिप में जिम्बाब्वे के बॉलर्स ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। उनके सभी छह गेंदबाजों ने विकेट लिए जिससे श्रीलंका के लिए 20 टारगेट शुरू में आसान लग रहा था, वह बुरे सपने में बदल गया।

गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर, पंत कप्तानी करेंगे

भारत-साउथ अफ्रीका दूसरा मुकाबला आज से

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला आज से गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन में दर्द की वजह से इस मैच से बाहर हो गए हैं। गिल की गैरमौजूदगी में ऋषभ पंत टीम की कप्तानी करेंगे। ब्रष्टद्व ने शुक्रवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। वहीं, नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है।

भारत सीरीज में 0-1 से पीछे है। साउथ अफ्रीका ने पहला मैच 30 रन से जीता था। पहले टेस्ट में हार के बाद मेजबान भारत पर क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। इस मैदान पर पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा, ऐसे में पिच और परिस्थितियों को देखते हुए प्लेइंग इलेवन का सिलेक्शन भी अहम रहने वाला है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे थे। शुरुआती ओवर्स में पेसर्स और बाद में स्पिनर्स के सामने बल्लेबाज लगातार दबाव में दिखाई दिए।

गिल दूसरे टेस्ट से बाहर- गिल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने शुक्रवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। वे कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन की वजह से पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदें खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुकाबले के तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

गिल की जगह रेड्डी को मिल सकता है मौका

अगर शुभमन गिल दूसरे टेस्ट से बाहर होते हैं, तो उनकी जगह साई सुदर्शन को मौका मिल सकता है। भारत अगर इस मैच में एक और स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के साथ उतरने का फैसला करता है, तो सुदर्शन की टीम में वापसी लगभग तय मानी जा सकती है। हालांकि, टीम के पास देवदत्त पडिक्कल के रूप में एक और स्पेशलिस्ट बैटर मौजूद है।

नीतीश रेड्डी के रूप में भारत के पास एक और ऑलराउंडर ऑप्शन मौजूद है। कोलकाता टेस्ट से रेड्डी को रिलीज किए जाने के बाद ध्रुव जुरेल को बतौर बल्लेबाज भारतीय प्लेइंग-11 में मौका दिया गया था। हालांकि, रेड्डी को दोबारा स्क्वॉड में शामिल किया गया है। रेड्डी को तभी मौका मिल सकता है, जब वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल में से किसी एक को प्लेइंग से बाहर किया जाए।

हेड टु हेड में साउथ अफ्रीका आगे

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक 44 टेस्ट मैच खेले गए, भारत ने 16 और साउथ अफ्रीका ने 19 में जीत दर्ज की, जबकि 10 मैच ड्रॉ रहे। वहीं, भारत ने अपने घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 20 टेस्ट खेले, जिनमें से 11 जीते और 6 गंवाए। वहीं, 3 मुकाबले ड्रॉ रहे।

सिराज भारत के टॉप विकेट टेकर

भारतीय कप्तान शुभमन गिल 2025 में टीम के टॉप रन स्कोरर है, उन्होंने इस साल 9 मैचों में 5 शतक लगाकर 983 रन बना दिए हैं। हालांकि, उनका इस मैच में खेलना मुश्किल है। रवींद्र जडेजा दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर हैं। वहीं मोहम्मद सिराज 41 विकेट लेकर टीम के टॉप गेंदबाज हैं।

एशेज- पर्थ टेस्ट के पहले दिन 19 विकेट गिरे

- मिचेल स्टार्क ने रचा इतिहास, पहले ही दिन 7 विकेट लिए

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जा रहा है। शुक्रवार को मैच के पहले दिन 19 विकेट गिरे और ये सभी विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए। लंच के बाद इंग्लैंड 172 पर ऑलआउट हो गई। वहीं दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 123 रन पर ही 9 विकेट गंवा दिए।

इंग्लिश टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग का फैसला किया। टीम के लिए यह फैसला गलत साबित हुआ और 172 रन पर ऑलआउट हो गई। हालांकि ऑस्ट्रेलिया भी इसका फायदा नहीं उठा सकी और दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट खो दिए। टीम अभी भी इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। नाथन लायन और ब्रेंडन डॉगेट नाबाद लौटे।

पोप 46 रन बनाकर आउट

इंग्लिश टीम को शुरुआती झटका पहले ही ओवर में लगा, जब मिचेल स्टार्क ने जैक क्रॉली को शून्य पर एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन भेजा। इसके बाद उन्होंने बेन डकट (21) को आउट किया। और फिर जो रूट को खाता खोले बिना स्लिप में लाबुशेन के हाथों कैच कराया।

इसके बाद ब्रूक ने ओली पोप के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 55 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को संभाला। लेकिन इस साझेदारी को कैमरन ग्रीन ने तोड़ा, जब उन्होंने पोप को 46 रन पर एलबीडब्ल्यू किया।

ब्रूक ने 52 रन बनाए

लंच के बाद कप्तान बेन स्टोक्स (6) को भी स्टार्क ने पवेलियन भेजा। स्टार्क ने स्टोक्स को क्लीन बोल्ड किया। डेब्यूटेंट डॉगेट ने हैरी ब्रूक को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। ब्रूक ने 52 रन बनाए। इसके तुरंत बाद स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया। वह एक रन बना सके। स्टार्क की यह इस पारी में पांचवीं सफलता रही। डॉगेट ने फिर ब्राइडन कार्स (6) को लाबुशेन के हाथों कैच कराया। इसके बाद आखिरी के दो बल्लेबाजों को स्टार्क ने आउट किया। जेमी स्मिथ 33 रन और मार्क वुड खाता खोले बिना आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने 7 विकेट झटके। डॉगेट ने दो विकेट लिए। एक विकेट कैमरून ग्रीन को मिला।

स्टार्क के एशेज में 100 विकेट पूरे

मिचेल स्टार्क एशेज में 23वां टेस्ट खेल रहे हैं। उन्होंने एशेज में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले वे ओवरऑल 20वें और 13वें ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए हैं।

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंचे, हमवतन आयुष शेट्टी को हराया

सिडनी (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को यहां हमवतन भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की की। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने 53 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 21-11 से

जीत हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा, जो इस प्रतियोगिता में दूसरी वरीयता प्राप्त हैं। विश्व में नौवें स्थान पर काबिज और 2018 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता चोउ ने एक घंटे 23 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया। अल्वी ने पिछले दौर में भारत के एचएस प्रणय को हराया था। सेन ने इस वर्ष के शुरू में हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी 20 वर्षीय शेट्टी को हराया था। अल्मोड़ा का रहने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इस साल अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाया है।

ढाका में भूकंप से बांग्लादेश-आयरलैंड टेस्ट रोका गया

5.7 तीव्रता के भूकंप से हिला कमेंट्री बॉक्स, खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम छोड़कर मैदान पर आए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आए भूकंप की वजह से बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच दूसरे टेस्ट का खेल रोकना पड़ा।

शुक्रवार को मीरपुर में तीसरे दिन के खेल के दौरान झटके इतने तेज थे कि खिलाड़ी, कमेंटेटर और पत्रकार सभी सुरक्षित जगह की ओर भागे।

कमेंट्री बॉक्स हिलने लगा, जबकि आयरलैंड के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम से बाहर निकलकर बाउंड्री के पास खड़े हो गए।

स्टेडियम में मौजूद दर्शक भी घबरा गए- स्टेडियम में मौजूद दर्शक भी घबरा गए थे, लेकिन हालात सामान्य होने पर कुछ मिनट बाद मैच दोबारा शुरू हो गया। बांग्लादेशी पत्रकार अरिफुल इस्लाम रोनी ने बताया कि प्रेस बॉक्स में हालत काफी खराब थे और वहीं हड़कंप मच गया था। ईएसपीएन के पत्रकार मोहम्मद इसाम ने भी लिखा कि वे तेज झटकों के कारण प्रेस बॉक्स से नीचे भागे।

5.7 तीव्रता का भूकंप आया सुबह 10ः30 बजे आए 5.7 तीव्रता के भूकंप ने ढाका और आसपास के इलाकों में नुकसान पहुंचाया। भूकंप के दौरान खिलाड़ी मैदान में ही रुक गए और कुछ झटकों के बीच जमीन पर बैठ गए।

दूसरा दिन बांग्लादेश के नाम रहा

दूसरे दिन 340/5 के स्कोर से आगे खेलते हुए टीम ने 476 रन बनाए। मुशफिकुर रहीम और लिटन दास ने 123 रन की बड़ी पार्टनरशिप की। मुशफिकुर ने अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ा और 106 रन बनाए। लिटन दास ने भी छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया।

भूकंप से पहले आयरलैंड ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। दो जल्दी विकेट गिरने के बाद स्टीफन डोहेनी और लॉर्कन टकर ने टीम को संभाला और 81 रन की साझेदारी की, जिससे स्कोर 113 तक पहुंच गया। आयरलैंड की पहली पारी 265 रन पर सिमट गई।

बांग्लादेश को 211 रन की बढ़त मिली- बांग्लादेश ने पहली पारी में 476 रन बनाए थे। टीम को 211 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में खबर लिखे जाने तक बांग्लादेशी टीम ने एक विकेट खोकर 156 रन बना लिए हैं।

स्मृति मंधाना ने फनी अंदाज में इंगेजमेंट की कन्फर्म

● भारतीय स्टार स्मृति मंधाना ने पलाश मुच्छल से की सगाई ● पीएम मोदी ने शादी की तारीख का किया खुलासा

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की चमकती सितारा और वर्ल्ड कप विजेता ओपनर स्मृति मंधाना ने अंततः अपने प्रशंसकों के बीच लंबे समय से चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए संगीतकार पलाश मुच्छल से अपनी सगाई की आधिकारिक घोषणा कर दी है। एक खूबसूरती से कोरियोग्राफ किए गए इंस्टाग्राम वीडियो के ज़रिए की गई इस घोषणा ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। इस रील में उनकी टीममेट्स भी उनके साथ नज़र आईं। वीडियो में भले ही शादी की तारीख नहीं बताई गई थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कपल को शुभकामनाएं देते हुए बड़ी जानकारी साझा कर दी जिसमें

शादी की आधिकारिक तारीख शामिल है।

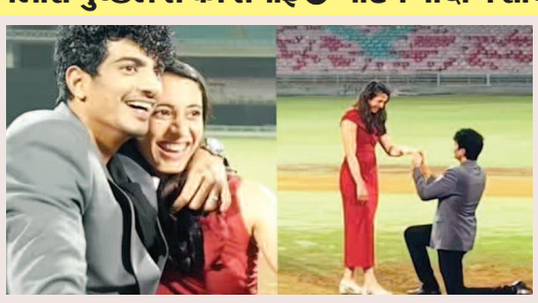

खास अंदाज में किया ऐलान - स्मृति मंधाना ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक आकर्षक और मनोरंजक रील पोस्ट की, जिसने कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज़ बटोर लिए। इस वीडियो में उनके साथ जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी नज़र आईं, जिनके साथ उन्होंने फ़िल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गाने 'समझो हो ही गया' पर एक सिंक्रनाइज़ कोरियोग्राफ रूटीन प्रस्तुत किया। वीडियो की अंतिम झलक में मंधाना कैमरे की ओर हाथ बढ़ाती हैं, जहाँ उनकी सगाई की अंगूठी साफ दिखाई देती है।

पीएम मोदी ने दी बधाई, साथ ही बताई शादी की तारीख

वीडियो पोस्ट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मृति और पलाश को दिल से शुभकामनाएं भेजीं। उन्होंने अपने संदेश में दोनों की प्रतिभा की सराहना की और मजेदार अंदाज में कहा कि मैदान पर मंधाना का कवर ड्राइव और संगीत में मुच्छल की सिम्फनी मिलकर एक शानदार जीवन-भागीदारी रचेंगे। अपने संदेश में पीएम मोदी ने कपल की शादी की तारीख भी सार्वजनिक कर दी जो 23 नवंबर 2025 को होगी।

ऑन-फील्ड ग्लोरी के बाद ऑफ-फील्ड जश्न

सगाई का यह उत्साहपूर्ण पल भारतीय टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि के तुरंत बाद आया है। हाल ही में नवी मुंबई में हुए महिला एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2025 में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व खिताब जीता।

अवनीत कौर ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें !

● ट्रांसपेरेंट ड्रेस में दिखाया कर्वी फिगर, फैन ने दे डाला ये नाम

सोशल मीडिया सेंसेशन और एक्ट्रेस अवनीत कौर अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती हैं, लेकिन अब एक्ट्रेस ने हॉटनेस की सारी हदें पार करते हुए ट्रांसपेरेंट ड्रेस में ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं जिन्हें देखकर फैंस की सांसे थम रही हैं. 'चंद्र नंदिनी' और 'अलादीन-नाम तो सुना होगा' जैसे टीवी सीरियल्स से अपनी खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर अक्सर अपनी हॉट तस्वीरों और बोल्ड अदाओं से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती हैं, लेकिन इस बार तो एक्ट्रेस ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस में किलर अदाओं से बोल्डनेस की सारी हदें ही पार कर दी. अवनीत के सिजलिंग पोज और ग्लैमरस लुक देखकर फैंस की तो सांसे ही थम रही हैं. अवनीत कौर उन गिनी-चुनी एक्ट्रेसेस में शामिल हैं, जो अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज से खूब सुर्खियां बटोरती हैं. स्टाइल और फैशन के मामले में उनकी चॉइस इतनी टॉप नॉच होती है कि, वह बड़ी-बड़ी मॉडल्स को भी टक्कर देती नजर आती हैं. उनके फैंस उनके हर नए लुक का बेसब्री से इंतजार करते हैं.

सिजलिंग तस्वीरों से होश उड़ा रही अवनीत

वहीं अब अवनीत ने इंस्टाग्राम पर अपी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर अच्छे-अच्छों के होश उड़ जाएंगे. दरअसल, इसमें एक्ट्रेस ट्रांसपेरेंट गाउन में सिजलिंग और हॉट लुक से जबरदस्त लाइमलाइट बटोर रही हैं. वैसे तो अवनीत कौर का हर आउटफिट एक नया स्टाइल स्टेटमेंट बन जाता है और फैशन ट्रेंड सेट करता है, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी लाजवाब खूबसूरती और स्टाइल से फैंस को अपना मुरीद बना लिया है.

लेटेस्ट फोटो में अवनीत ने सिल्वर कलर का एक बेहद खूबसूरत और ट्रांसपेरेंट ड्रेस कैरी किया है, जिसमें हैवी एंब्रॉयडरी की गई है, जो इस लुक को एक रॉयल और ग्रैंड फील दे रहा है. अवनीत के इस लुक को देखकर हर कोई उन पर लट्टू हुए जा रहा है. अवनीत ने सिर्फ आउटफिट पर ही ध्यान नहीं दिया, बल्कि उनका हेयर, मेकअप और ज्वेलरी बिल्कुल टॉप नॉच लग रहा है. उन्होंने शिमरी आई मेकअप और ग्लॉसी लिप्स के साथ हैवी मेकअप से अपना लुक कंप्लीट किया है. स्टेटमेंट इयरिंग्स और खुले बालों में वह बला की हसीन और आकर्षक लग रही हैं.

किलर पोज में फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

इस स्टाइलिश और रॉयल आउटफिट में अवनीत ने एक-दो नहीं, बल्कि अलग-अलग किलर पोड देते हुए कई तस्वीरें शेयर की हैं. इस पिक्चर्स में अवनीत बला की खूबसूरत लग रही हैं. वहीं पोज के साथ एक्ट्रेस ने खुलकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है.

अवनीत कौर को फैन ने दिया ये नाम

अवनीत कौर की लेटेस्ट तस्वीरों पर फैंस भी जमकर प्यार लुटा रहे हैं, हार्ट और फायर इमोजी के साथ-साथ कमेंट्स में तारीफों के पुल बांध रहे हैं. इसी कड़ी में एक यूजर ने तो एक्ट्रेस को नया नाम तक दे डाला. यूजर ने अवनीत के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'किलरकौर हॉटनेस ओवरलोडेड.'

रिलीज हुआ पवन सिंह का गाना

'ले जाएंगे तेरे सजना'

फैंस को पसंद आ रहा जबरदस्त म्यूजिक और डांस

भोजपुरी सिंगर पवन सिंह का नया गाना 'ले जाएंगे सजना' यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर रिलीज किया गया है। गाना रिलीज होते ही दर्शकों ने इस पर प्यार बरसाना शुरू कर दिया है। पवन सिंह ने मशहूर सिंगर पलक मुच्छल के साथ मिलकर यह गाना गाया है। दर्शकों को यह जोड़ी खूब पसंद आ रही है। गाने में बेहतरीन म्यूजिक और जबरदस्त डांस है।

स्टाइलिश अंदाज में दिखे पवन सिंह

'ले जाएंगे तेरे सजना' गाने को शब्बीर अहमद ने लिखा है। उन्होंने ही इसका म्यूजिक दिया है। गाने को पवन सिंह और पलक मुच्छल ने आवाज दी है। गाने में देखा जा सकता है कि पवन सिंह स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। फैंस इसे बार-बार देख रहे हैं और इस पर रिएक्शन भी दे रहे हैं।

सिंगर जुबिन नौटियाल ने उज्जैन में किए महाकाल के दर्शन

भारतीय गायक जुबिन नौटियाल ने उज्जैन नगरी में महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान वह शिव भक्ति में लीन नजर आए। बॉलीवुड के प्रसिद्ध सिंगर जुबिन नौटियाल ने हाल ही में उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल की भस्म आरती में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने महादेव का प्रसिद्ध गीत 'शिव कैलाशों के वासी...' गाकर सभी का दिल जीत लिया।

आफताब शिवदासानी मेरे परिवार के पसंदीदा, 'मस्ती 4' में साथ में काम करना सपने के सच होने जैसा : रुही सिंह

फिल्मी दुनिया में जब कोई नया कलाकार किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनता है, तो उसके लिए यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक बड़ा मौका होता है, अपने हुनर को दिखाने का, लोगों तक अपनी पहचान पहुंचाने का और उन सितारों के साथ काम करने का, जिन्हें वे सालों से पर्दे पर देखते आए हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव एक्ट्रेस रुही सिंह का भी रहा, जिन्होंने आने वाली फिल्म 'मस्ती 4' में कई मशहूर अभिनेताओं के साथ काम किया है। यह फिल्म पहले से चर्चित 'मस्ती' फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसकी वजह से लोगों में पहले ही काफी उत्साह है। रुही के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का मौका भी है। रुही सिंह ने बताया कि 'मस्ती 4' की शूटिंग उनके लिए एक खास सफर था। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के जाने-माने नाम आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी जुड़े हुए हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना शानदार अनुभव रहा। रुही सिंह ने कहा, ''हर अभिनेता अपनी एक अलग ऊर्जा लाता है, और यह

स्टाइलिश अंदाज में सोनम ने किया दूसरी प्रेग्नेंसी का एलान

प्रियंका-परिणीति ने दी बधाई

सोनम कपूर ने साल 2018 में आनंद आहूजा से शादी की थी। उन्होंने अपने पहले बच्चे का स्वागत अगस्त 2022 में किया था। सोनम कपूर ने गुरुवार को अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का एलान किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं और अपना बेबी बंप दिखाया है। तस्वीरों के साथ सोनम कपूर ने कैप्शन में लिखा है 'मां'। इसके साथ उन्होंने किस करने वाला एक इमोजी भी बनाया है।

सेलेब्स ने किया कमेंट

सोनम कपूर की पोस्ट पर अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने कमेंट करते हुए लिखा है 'बधाई हो।' प्रियंका चोपड़ा ने लिखा 'शुभकामनाएं।' सोनम कपूर के पति आनंद आहूजा ने सोनम की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है 'डबल ट्रबल'। करीना कपूर ने लिखा है 'सोना और आनंद।' शनाया कपूर और भूमि पेडनेकर ने पोस्ट पर दिल वाला इमोजी पोस्ट किया है।

अहान पांडे बोले- अनीत पड्डा नहीं हैं मेरी गर्लफ्रेंड

अहान पांडे और अनीत पड्डा को लेकर बातें चल रही हैं कि दोनों का रिश्ता रोमांटिक है और वे रिलेशनशिप में हैं लेकिन अहान पांडे ने अब इस बात को लेकर चुप्पी तोड़ी है और कहा कि अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं। अहान ने सारी बातों से पर्दा हटा दिया है। अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भले ही इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा हो, लेकिन उनकी जोड़ी को लेकर जो चर्चा है, वह पुराने स्टार्स जैसी ही है। उनकी पहली फिल्म 'सैयारा' ने तुरंत ही लोगों के दिलों में खास जगह बना लिया। उनके फैन एडिट रातोंरात वायरल हो गए, गपशप के पन्नों ने उन्हें इंडस्ट्री का अगला 'इट' कपल घोषित कर दिया और सोशल मीडिया ने मानो उनके बीच रोमांस को जन्म दे दिया हो। इन अटकलों को और हवा तब मिली जब करण जौहर ने हिंट दिया कि ये दोनों नए कपल बन सकते हैं। लेकिन अहान पांडे ने अब सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अहान पांडे ने रिश्ते पर सीधे तौर पर बात की। उन्होंने क्लियर किया कि उनके और अनीत के बीच का रिश्ता गहरा तो है, लेकिन यह रोमांटिक नहीं है। उन्होंने कई महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा, 'अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है।

काम के दवाब पर बोलीं हुमा कुरैशी, 'दूसरों की उम्मीदें मेरी जिम्मेदारी नहीं'

मजबूत किरदारों और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों नई वेब सीरीज 'महारानी 4' के साथ-साथ अपने जीवन और करियर को लेकर चर्चा में हैं। लगातार काम और बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के बीच वह खुद से कैसे जुड़ी रहती हैं, इस पर उन्होंने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब वह अपने काम को ज्यादा आजादी और आत्मविश्वास के साथ देखती हैं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी है खुद को समझना और वही करना जिससे दिल संतुष्ट हो। हुमा ने कहा, ''मैंने अब दूसरों की अनावश्यक टिप्पणियों और आलोचनाओं को नजरअंदाज करना सीख लिया है। पहले मैं 'लोग क्या कहेंगे' इस बारे में अक्सर चिंतित रहती थीं, लेकिन अब मैं इस शोर को अपने दिमाग में घुसने ही नहीं देती हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि एक अभिनेता तभी अच्छा काम कर सकता है, जब वह उन बातों पर ध्यान दे जो उसे बेहतर बनाने में मदद करें, न कि उन बातों पर जो सिर्फ तनाव बढ़ाती हों। इसलिए मैं खुद को समय देती हूं, अपनी सोच को स्पष्ट रखती हूं और सिर्फ अपने काम पर फोकस करती हूं।'' जब उनसे पूछा कि वह बाहरी उम्मीदों और अपनी निजी सोच के बीच कैसे संतुलन बनाती हैं, तो उन्होंने सादगी से जवाब देते हुए कहा, ''मैं ऐसा कोई दबाव नहीं लेती। किसी दूसरे व्यक्ति की उम्मीदें मेरी जिम्मेदारी नहीं हैं। मेरा काम है अपने किरदारों को ईमानदारी से निभाना, करियर को अपनी शर्तों पर आगे बढ़ाना और वह सब करना जो मुझे सही लगे। लोगों की राय पर चलना मेरे लिए कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। हुमा ने आगे कहा, ''मेरी सोच समय के साथ बदली है, लेकिन अचानक नहीं। धीरे-धीरे मैं इन चीजों को एक नए नजरिए से देखने लगी हूं। अब मैं सफलता को सिर्फ बाहरी प्रशंसा के रूप में नहीं, बल्कि अपने भीतर की शांति और संतुलन के रूप में भी देखती हूं। असफलता को भी मैं एक सीख की तरह लेती हूं, जिससे आगे का काम और बेहतर हो सके।''

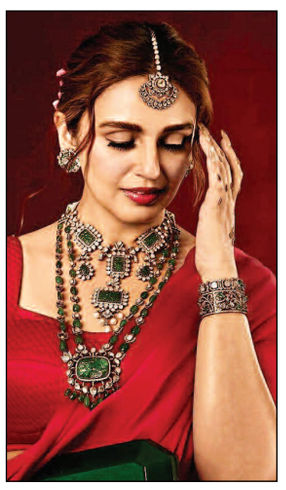

कल्याणी प्रियदर्शन ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

फैंस किरदार के बारे में जानने के लिए बेताब

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'लोका' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे 'माया', 'मानगरम', 'मॉन्स्टर', 'तानक्करन', 'इरुगापत्रु' और 'ब्लैक' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी। कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और 'नान महान अल्ला' फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरवियम ने मिलकर लिखे हैं।